● वर्ष : 17 ● अंक : 110 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित शनिवार 7 फरवरी 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

परीक्षा जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं, सर्वांगीण विकास जरूरी : प्रधानमंत्री

एक नेता ने कहा आप 75 के हो गए, तो मैंने कहा अभी 25 बाकी हैं: मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 'परीक्षा पे चर्चा' के नौवें संस्करण में देश के विभिन्न हिस्सों से यहां आए छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि परीक्षा कभी भी जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकती। शिक्षा जीवन निर्माण का माध्यम है और उसका उद्देश्य सर्वांगीण विकास होना चाहिए। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे बीते समय की चिंता छोड़कर शेष समय का बेहतर उपयोग करने पर ध्यान दें और तनावमुक्त रहकर सीखने की प्रक्रिया का आनंद लें। मणिपुर की एक छात्रा के सवाल पर प्रधानमंत्री ने कहा कि जो बीत गया है उसकी गिनती करने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। उन्होंने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि 17 सितंबर को उनके जन्मदिन पर एक नेता ने फोन किया और बोले कि अब आप 75 के हो गए, तो मैने कहा कि अभी 25 बाकी हैं। उन्होंने कहा कि जो बीता है मैं उसे गिनता नहीं हूं। जो बचा है उसको गिनता हूं। उन्होंने छात्रों से भी यही दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया और कहा कि जो बीता है उसकी गिनती में समय बर्बाद मत कीजिए, जो बचा है उसको जीने के लिए सोचिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। अच्छे शिक्षक वे होते हैं जो छात्रों के संपूर्ण विकास पर ध्यान देते हैं, न कि केवल परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने पर। जीवन केवल परीक्षाओं के इर्द-गिर्द नहीं घूमता और परीक्षा आत्ममूल्यांकन का एक माध्यम मात्र है। अलग-अलग अध्ययन पद्धतियों को लेकर भ्रम पर पूछे गए सवाल पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह स्थिति जीवन भर बनी रहती है। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी लोग उन्हें अलग-अलग तरीके से काम करने की सलाह देते हैं। सलाह जरूर लें, लेकिन वही करें जो आपके स्वभाव और परिस्थितियों के अनुकूल हो। एक छात्र द्वारा शिक्षक के बहुत तेज पढ़ाने की शिकायत पर प्रधानमंत्री ने शिक्षक के दृष्टिकोण से उत्तर देते हुए कहा कि शिक्षक को छात्रों से एक कदम आगे रहना चाहिए, ताकि लक्ष्य चुनौतीपूर्ण रहे लेकिन असंभव न हो। वहीं छात्रों को शिक्षक द्वारा पढ़ाये जाने वाले पाठ को पूर्व में अध्ययन कर शिक्षक से दो कदम आगे रहने की सलाह भी दी। कौशल विकास पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जीवन कौशल और पेशेवर कौशल दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने संतुलन पर जोर देते हुए कहा कि जैसे शरीर का संतुलन बिगड़ने पर व्यक्ति गिर जाता है, वैसे ही जीवन में किसी एक पक्ष पर अत्यधिक जोर नुकसानदेह हो सकता है। गेमिंग से जुड़े सवाल पर प्रधानमंत्री ने कहा कि गेमिंग एक कौशल है और यह व्यक्तित्व विकास में सहायक हो सकता है, लेकिन इसे केवल मनोरंजन या जुए के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने छात्रों को गेम खेलने के बजाय गेम निर्माता बनने और भारतीय संस्कृति एवं कथाओं पर आधारित खेल विकसित करने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षा बोझ नहीं लगनी चाहिए और उसमें पूर्ण भागीदारी आवश्यक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वी नागालैंड के विकास के लिए त्रिपक्षीय समझौते को ऐतिहासिक बताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वी नागालैंड के लिए किए गए त्रिपक्षीय समझौते को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने आज कहा कि इससे विकास को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र के लोगों के लिए नए अवसर खुलेंगे। यह समझौता एक दिन पहले केंद्र सरकार, नागालैंड सरकार और पूर्वी नागालैंड पीपल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) के बीच हुआ है। यह छह पूर्वी जिलों में आठ मान्यता प्राप्त नागा जनजातियों का प्रतिनिधित्व करता है। इसका मकसद प्रगति को तेज करना और क्षेत्र में समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, "यह वास्तव में एक ऐतिहासिक समझौता है। यह विशेष रूप से पूर्वी नागालैंड के विकास की गति को बढ़ाएगा। मुझे यकीन है कि यह लोगों के लिए अवसर और समृद्धि के नए रास्ते खोलेगा। यह पूर्वोत्तर में शांति, प्रगति और समावेशी विकास के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।" उल्लेखनीय है कि यह समझौता केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह और नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो की उपस्थिति में हुआ। यह समझौता नागालैंड के छह जिलों, तुएनसांग, मोन, किफिरे, लोंगलेन्ग, नोकलाक और शमाटोर के लिए फ्रंटियर नागालैंड टेरिटोरियल अथॉरिटी (एफएनटीटीए) के गठन और एफएनटीटीए को 46 विषयों के संबंध में शक्तियों के हस्तांतरण का मार्ग प्रशस्त करता है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

बैंकों में 3.4 लाख करोड़ का सोना गिरवी, बैंकों का जोखिम बढ़ा

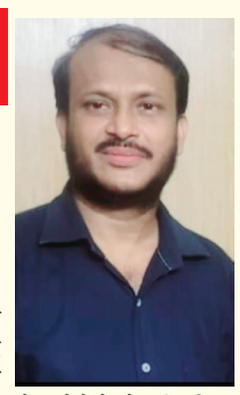

सोने की कीमतों में गिरावट से बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की चिंता बढ़ गई है। देश में गोल्ड लोन का चलन बढ़ता जा रहा है। लोग अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए सोना गिरवी रखकर लोन ले रहे हैं। हाल ही में सोने की कीमतों में तेज वृद्धि और उसके बाद तेजी के साथ दामों में गिरावट ने बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की ऋण व्यवस्था के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत में करीब 9 करोड़ लोगों ने सोना गिरवी रख कर बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कर्ज लिया है। जिसके चलते लगभग 3.4 लाख करोड़ रुपये मूल्य का सोना बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के पास गिरवी रखा हुआ है। सोने के दाम में हालिया गिरावट ने इस पूरे तंत्र को हिला दिया है। बैंक और वित्तीय संस्थान सोने की कीमत का 75 फ़ीसदी से 90 फ़ीसदी तक फाइनेंस कर देते हैं।

ऋण देने के जो नियम बना रखे हैं उसके अनुसार यदि दाम घटते हैं तो ऐसी स्थिति में ऋणधारक को ब्याज की मार्जिन मनी चुकानी पड़ती है। यदि वह मार्जिन नहीं दे पता है तो ऐसी स्थिति में बैंक और वित्तीय संस्थानों को अधिकार है कि वह सोने की नीलामी करके अपना पैसा वसूल कर लें। बीते वर्षों में सोने की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण गोल्ड लोन को सुरक्षित कर्ज मानते हुए बैंकों ने बड़े पैमाने पर सोने पर कर्ज को बढ़ावा दिया है। लोगों ने भी बढ़ी हुई कीमतों का फायदा उठाकर ज्यादा कर्ज लिया। कई मामलों में टॉप-अप लोन भी प्राप्त किया है। अब सोने के दाम अप्रत्याशित रूप से घटने के कारण गिरवी रखे गए सोने का मूल्य कम हो गया है। कर्ज की राशि से सोने की कीमत कम हो गई है। ऐसी स्थिति में बैंकों द्वारा कर्जदारों से मार्जिन मनी जमा करने या अतिरिक्त सोना गिरवी रखने का दबाव बढ़ाया जा रहा है।

समस्या यह है, गोल्ड लोन लेने वाले अधिकतर लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। उनके पास ब्याज और मार्जिन मनी के रूप में जमा करने के लिए अतिरिक्त नकदी नहीं है। जिससे वह वित्तीय संस्थान द्वारा मांगी गई मार्जिन मनी को जमा कर सकें। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है, अगर कर्ज न चुकाने की स्थिति में बड़े पैमाने पर वित्तीय संस्थाओं द्वारा सोने की नीलामी की जाएगी। ऐसी स्थिति में तो बाजार में सोने की आपूर्ति बढ़ेगी। जिससे सोने की कीमतों में और भी बड़ी गिरावट आ सकती है। इससे बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का घाटा बढ़ सकता है। इसका असर बैलेंस शीट पर भी पड़ेगा। सोने और चांदी की कीमतों में जिस तरह की तेजी और मंदी देखने को मिल रही है, उसने वित्तीय संस्थानों की चिंता को बढ़ा दिया है। शेयर बाजार में भी लगातार गिरावट का दौर चला। जिसके कारण वित्तीय संस्थानों को शेयर बाजार में भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ दिल्ली में विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को भारतीय किसानों और छोटे व्यापारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में शुक्रवार को संसद भवन परिसर में विपक्ष के सांसदों ने मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। विरोध-प्रदर्शन के दौरान खरगे ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के किसानों और व्यापारियों पर सीधा हमला है। यह समझौता पूरी तरह से अमेरिका की शर्तों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि यह समझौते के तहत भारतीय कृषि क्षेत्र को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोला जाएगा, जो हमारे किसानों को आर्थिक रूप से तबाह कर देगा। विपक्ष ने सरकार पर संसद में आवाज दबाने का भी आरोप लगाया। विपक्ष ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता को देशहित के मुद्दों पर बोलने नहीं दिया जा रहा है, जो सीधे तौर पर लोकतंत्र का अपमान है। विपक्षी सांसदों ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान राहलु गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी सहित विपक्ष के सांसद भी मौजूद रहे।

छात्रों के लिए सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शक 'परीक्षा पे चर्चा' : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल 'परीक्षा पे चर्चा' देश के करोड़ों विद्यार्थियों को नई दिशा दिखा रही है। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए छोटे-छोटे सुझाव और सरल उदाहरण छात्रों के मन से परीक्षा का भय दूर कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। यह कार्यक्रम छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए एक सशक्त मार्गदर्शक के रूप में उभरा है। यह बातें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कही। केंद्रीय मंत्री प्रधान शुक्रवार को यहां के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में आयोजित 'परीक्षा पे चर्चा–2026' की विशेष स्क्रीनिंग में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सहयोगी सांसदों, मंत्रियों और बड़ी संख्या में उपस्थित छात्रों के साथ बैठकर प्रधानमंत्री के मास्टरक्लास को देखा और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। 'परीक्षा पे चर्चा' के नौवें संस्करण में दिए गए उपयोगी सुझावों के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए प्रधान ने कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों के बौद्धिक और समग्र विकास पर केंद्रित है। यह विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें भयमुक्त वातावरण में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है।

कोयला खदान में विस्फोट से अब तक 18 की मौत, कई मलबे में दबे, बचाव कार्य जारी

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया दुःख, मृतकों के परिवारों को सहायता की घोषणा

एजेंसी। शिलांग

मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को कोयला खदान में विस्फोट ने पूरे देश को हिला दिया। अवैध रूप से संचालित इस खदान में अचानक हुए धमाके के बाद चीख-पुकार मच गई। मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूर अंदर ही फंस गए। राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंची। भारी मशक्कत के बाद 18 मजदूरों के शव निकाले जा चुके हैं, कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस दर्दनाक हादसे ने खदानों में सुरक्षा व्यवस्था और अवैध खनन के मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया है। हादसे की खबर मिलते ही राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों सक्रिय हो गईं। पीएम मोदी ने हादसे पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया। वहीं मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा ने घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और अवैध खनन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक शुरआती जांच में सामने आया है कि यह खदान अवैध रूप से संचालित की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक विस्फोट खदान के अंदर हुआ, जिससे मजदूरों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। प्रशासन ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, खान और खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और विशेष टीमों को लगाया गया है। हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी दुख जताया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी घटना की जांच और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

खदान मालिकों की गिरफ्तारी का दिया आदेश

शिलांग। मेघालय में अवैध कोयला खनन को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए हाईकोर्ट ने ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में हुए जानलेवा खदान विस्फोट मामले में खदान मालिकों और इससे जुड़े लोगों की तत्काल गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। इस हादसे में अब तक 18 मजदूरों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जस्टिस एचएस थांगख्यू और जस्टिस डब्ल्यू. डिंगडोह की डिवीजन बेंच ने थांगस्कू इलाके में हुए इस विस्फोट से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों का स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई कि 14 जनवरी को हुई इस भीषण घटना के बावजूद जिले में अवैध कोयला खनन गतिविधियां लगातार जारी हैं, जो सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट द्वारा लगाए गए खनन प्रतिबंधों का खुला उल्लंघन है। हाईकोर्ट ने ईस्ट जयंतिया हिल्स के डिप्टी कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया कि वे बिना किसी देरी के खदान मालिकों, ऑपरेटरों और अवैध खनन में शामिल सभी व्यक्तियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही कोर्ट ने खनन गतिविधियों में प्रयुक्त सभी उपकरण, दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री को जब्त करने का भी आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग का हलफनामा

एजेंसी। नई दिल्ली

इलेक्शन कमीशन (ईसी) ने सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर विस्तृत हलफनामा दाखिल किया। आयोग ने कोर्ट को बताया कि राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान लगातार राजनीतिक दखल देखने को मिला, जिससे चुनाव अधिकारियों का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ। हलफनामे में ईसी ने कहा कि देश के अन्य राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हुई, लेकिन पश्चिम बंगाल की स्थिति इससे बिल्कुल अलग रही। आयोग के अनुसार, राज्य में चुनाव अधिकारियों के खिलाफ हिंसा, धमकियों और दबाव की घटनाएं सामने आईं। ऐसे हालात बनाए गए कि बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) और अन्य चुनाव कर्मचारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में असमर्थ हो गए। ईसी ने आरोप लगाया कि बीएलओ द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों पर स्थानीय पुलिस ने अक्सर एफआईआर दर्ज करने से परहेज किया। कई मामलों में जिला चुनाव अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद ही प्राथमिकी दर्ज हो सकी। आयोग ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने जानबूझकर चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन नहीं किया, जिससे पूरी प्रक्रिया बाधित हुई। हलफनामे में 24 नवंबर 2025 की एक गंभीर घटना का भी जिक्र किया गया। चुनाव आयोग के मुताबिक, उस दिन कोलकाता स्थित चीफ इलेक्शन ऑफिसर के कार्यालय में प्रदर्शनकारियों ने जबरन घुसने की कोशिश की, पुलिस बैरिकेड तोड़े, दफ्तर में तोड़फोड़ की और अधिकारियों की आवाजाही रोक दी। इसके बावजूद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। चुनाव आयोग ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा खतरे का आकलन किए जाने के बाद पश्चिम बंगाल के चीफ इलेक्शन ऑफिसर को वाय श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई थी। आयोग के अनुसार, वह देश के ऐसे एकमात्र चुनाव अधिकारी थे जिन्हें इस स्तर की सुरक्षा दी गई। चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि तमाम चुनौतियों और दबावों के बावजूद सभी बीएलओ ने अपने दायित्व निभाए। आयोग के अनुसार, 7.08 करोड़ से अधिक काउंटिंग फॉर्म जमा किए गए, जो कुल का 92.40 प्रतिशत है।

चैन्नई में सैकड़ों कौवे मृत मचा हड़कंप, पक्षियों को जलाने व दफनाने की दी सलाह

चेन्नई। चेन्नई में शुक्रवार को शहर के कई हिस्सों में सैकड़ों कौवे अचानक मृत पाए गए। लैब रिपोर्ट में एच5एन1 वायरस की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने हाई अलर्ट जारी किया है। पक्षियों की इस रहस्यमयी मौत ने पूरे इलाके में बर्ड फ्लू के संक्रमण का बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। शुक्रवार को चेन्नई में सैकड़ों कौवे मरे हुए पाए गए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए आम जनता के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। अधिकारियों ने निर्देश दिया है कि आगे संक्रमण को रोकने के लिए कौवों और पोल्ट्री के सभी शवों को बायोसिक्योरिटी प्रोटोकॉल के मुताबिक या तो जला दिया जाए या गहरे गड्ढे में दफना दिया जाए।

ट्रंप के दावे पर बोला रूस- भारत तय करेगा, तेल किससे खरीदना

एजेंसी। मॉस्को

अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर भारत, अमेरिका और रूस के बीच तेल व्यापार को लेकर जारी बयानबाजी के बीच रूस के विदेश मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण स्थिति स्पष्ट की है। मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि भारत द्वारा रूसी हाइड्रोकार्बन (तेल और गैस) की खरीद न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय हितों के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए भी एक आवश्यक कदम है। रूसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने अपने बयान में जोर देकर कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में भारत और रूस की साझेदारी दशकों पुरानी और भरोसेमंद है, जो वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में और भी अधिक प्रासंगिक हो गई है। यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस हालिया दावे के बाद आई है, जिसमें उन्होंने भारत-अमेरिका ट्रेड डील का हवाला देते हुए कहा था कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा और वेनेजुएला जैसे विकल्पों पर विचार करेगा। हालांकि, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बुधवार को इन अटकलों को दरकिनार करते हुए कहा कि रूस कभी भी भारत का एकमात्र तेल आपूर्तिकर्ता नहीं रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अपनी विशाल ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए हमेशा से विभिन्न देशों से पेट्रोलियम उत्पाद खरीदता रहा है, इसलिए अमेरिकी दावों के बीच भारत द्वारा अन्य देशों से व्यापार बढ़ाना रूस के लिए कोई नई या चौंकाने वाली बात नहीं है। रूस ने अपनी स्थिति मजबूत करते हुए कहा कि भारत की तेल खरीद नीति पूरी तरह से स्वतंत्र है और वह अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेता है।

इस्लामाबाद में विस्फोट से 15 लोगों की मौत, 80 से ज्यादा घायल

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के एक इमामबाड़े में जुमे की नमाज के दौरान हुए विस्फोट में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 80 से ज्यादा घायल हुए हैं। डान की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह विस्फोट शुक्रवार को राजधानी के तरलाई इलाके स्थित इमामबाड़े में हुआ। पुलिस और रेस्क्यू 1122 की टीमें घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। यह हमला उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोएव के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे के दौरान हुआ। इस्लामाबाद कैपिटल टेरिटरी पुलिस के प्रवक्ता तकी जवाद ने बताया कि विस्फोट की प्रकृति का पता लगाना फिलहाल जल्दबाजी होगी। फोरेंसिक टीमें यह तय करेंगी कि यह आत्मघाती विस्फोट था या प्लांटेड बम से किया गया था। संसदीय मामलों के मंत्री तारिक फजल चौधरी ने एक्स पोस्ट में हमले की कड़ी निंदा करके इस 'कायरतापूर्ण कृत्य' में जान गंवाने वालों पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। चौधरी ने कहा कि ऐसे आतंकी कृत्य राष्ट्र के हौसले को तोड़ नहीं सकते। हमें शांति, सहिष्णुता और स्थिरता के लिए एकजुट होना चाहिए तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। पिछले साल नवंबर में इस्लामाबाद के जी-11 इलाके में जिला अदालत के बाहर हुए आत्मघाती विस्फोट में 12 लोग मारे गए थे और 30 से ज्यादा घायल हुए थे।

जानी-मानी एक्ट्रेस अंजू कृष्णा ड्रग्स मामले में गिरफ्तार, नशीले पदार्थ बरामद

मुंबई। तमिल फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस अंजू कृष्णा को ड्रग्स रखने और सप्लाई करने के आरोप में एंटी-नारकोटिक्स इंटेलिजेंस यूनिट ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में अंजू कृष्णा के साथ असिस्टेंट डायरेक्टर विंसी निवेथा समेत कुल आठ लोग हिरासत में हैं। गिरफ्तारी की खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर यह मामला वायरल हो गया। पुलिस ने जांच की शुरुआत साउथ टीम के इंस्पेक्टर जॉनी चेल्लाप्पा द्वारा की। पहले नेसापक्कम निवासी विग्नेशवरन को हिरासत में लिया गया, जिन्होंने पूछताछ में पोरूर के कोवूर इलाके में रहने वाले वेंकटेश कुमार का नाम उजागर किया। इसके बाद पुलिस ने वेंकटेश को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। फर्जी ग्राहक के जरिए सौदा पक्का होते ही पुलिस ने छापेमारी की। तलाशी के दौरान वेंकटेश की कार से ड्रग्स बरामद हुई, जिससे पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। जांच में अंजू कृष्णा और विंसी निवेथा समेत आठ आरोपियों की संलिप्तता सामने आई। तलाशी में पुलिस ने 6 ग्राम मेथम्फेटामाइन, 7 ग्राम ओजी गांजा, 15 ग्राम गांजा, एक स्मोकिंग बोंग, एक स्टाम्प और 9 मोबाइल फोन जब्त किए।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

दिल्ली सरकार ने डीयूएमटीए के लिए विधेयक का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने एकीकृत परिवहन की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुए दिल्ली यूनिफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (डीयूएमटीए) और एक समर्पित दिल्ली अर्बन ट्रांसपोर्ट फंड (डीयूटीएफ) के गठन के लिए विधेयक का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। यह जानकारी आज एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, प्रस्तावित कानून के शीघ्र और समावेशी मसौदे को सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है। टास्क फोर्स को निर्देश दिए गए हैं कि वह निर्धारित समय-सीमा में विधेयक का मसौदा तैयार कर प्रस्तुत करे, जिससे सरकार की सुधारोन्मुख प्रतिबद्धता और तत्परता स्पष्ट होती है। इस टास्क फोर्स में परिवहन, शहरी विकास, वित्त, योजना, लोक निर्माण और दिल्ली पुलिस सहित प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी), दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) और भारतीय रेलवे जैसे प्रमुख नागरिक एवं परिवहन संस्थानों के प्रतिनिधियों को भी इसमें सम्मिलित किया गया है। वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और स्थानीय आवश्यकताओं के संतुलित समावेश के लिए मुख्यमंत्री ने शहरी परिवहन के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को सह नामित करने का भी सुझाव दिया है। इस पहल की पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की परिवहन एजेंसियां ऐतिहासिक रूप से पृथक रूप से कार्य करती रही हैं, जिससे मार्ग योजना, अवसंरचना विकास और सेवा प्रदायगी में समन्वय की कमी रही है। उन्होंने कहा कि 'डीयूएमटीए' दिल्ली की संपूर्ण शहरी गतिशीलता प्रणाली में समन्वय स्थापित करेगा। मेट्रो, बस, क्षेत्रीय रेल, रेलवे और फीडर सेवाओं जैसे सभी परिवहन साधनों को एकीकृत योजना क्षेत्राधिकार के अंतर्गत लाकर हम यह सुनिश्चित करेंगे कि परिवहन समाधान कुशल, समावेशी और नागरिक केंद्रित हों। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि डीयूएमटीए सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने, अंतिम मील कनेक्टिविटी सुधारने और निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे सड़कों पर जाम में कमी आएगी। उन्होंने रेखांकित किया कि यह पहल वायु प्रदूषण से निपटने की सरकार की दीर्घकालिक रणनीति का एक अहम अंग है। वाहन उत्सर्जन प्रदूषण का एक प्रमुख स्थानीय स्रोत है और सुव्यवस्थित व विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क का विस्तार पर्यावरणीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक समाधानों पर एक साथ काम कर रही है। यह समस्या पिछले वर्षों में संरचनात्मक सुधारों के अभाव में और गंभीर हुई। डीयूएमटीए की स्थापना निजी वाहनों पर निर्भरता घटाने और दिल्ली के प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित और कुशल गतिशीलता उपलब्ध कराने के लिए सबसे महत्वपूर्ण दीर्घकालिक हस्तक्षेपों में से एक होगी। राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति के तहत बड़े शहरों में एकीकृत महानगरीय परिवहन प्राधिकरण (यूएमटीए) की परिकल्पना की गई है, ताकि शहरी परिवहन की रणनीतिक योजना और समन्वित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। दिल्ली एनसीआर में बढ़ती जनसंख्या, प्रदूषण, सड़कों पर दबाव और सुव्यवस्थित सार्वजनिक परिवहन की बढ़ती आवश्यकता डीयूएमटीएम की स्थापना को अत्यंत आवश्यक बनाती है। डीयूएमटीएम की अवधारणा राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति 2006 के अंतर्गत प्रस्तावित यूएमटीए ढांचे के अनुरूप है। इस मॉडल में एकीकृत परिवहन प्राधिकरण को एक नोडल संस्था के रूप में परिकल्पित किया गया है, जो परिवहन संचालकों, नगर निकायों, यातायात पुलिस और सड़क अवसंरचना एजेंसियों को एक संस्थागत ढांचे में लाता है। दिल्ली के संदर्भ में प्रस्तावित डीयूएमटीएम से रणनीतिक गतिशीलता योजना की निगरानी, मेट्रो, बस, क्षेत्रीय रेल और फीडर सेवाओं का एकीकरण, एजेंसियों के बीच समन्वय, अधिकार क्षेत्रों के ओवरलैप का समाधान और सार्वजनिक परिवहन की समग्र दक्षता में सुधार की अपेक्षा है। यह एकीकृत टिकटिंग प्रणाली, प्रभावी फीडर कनेक्टिविटी और परिवहन परियोजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन को संभव बनाएगा। यह पहल दिल्ली में शहरी परिवहन शासन में एक महत्वपूर्ण संस्थागत बदलाव का संकेत देती है। डीयूएमटीएम और इसके साथ प्रस्तावित डीयूटीएफ एक समर्पित वित्तीय तंत्र के रूप में शहर की दीर्घकालिक और बढ़ती परिवहन आवश्यकताओं के अनुरूप एकीकृत शहरी गतिशीलता योजना को सक्षम बनाएंगे। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, टास्क फोर्स तीन सप्ताह के भीतर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी, जिसके बाद विधेयक को विधायी प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम रूप देने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

खास खबर

NSD का 25वां भारत रंग महोत्सव 10वें दिन पहुंचा

130 से ज़्यादा परफॉर्मेंस, 19 जगहें, माइक्रो ड्रामा से लेकर वन-एक्ट प्ले तक अलग-अलग फॉर्मेट

लोकतंत्र की शान : दिल्ली: नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा द्वारा आयोजित दुनिया का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय थिएटर फेस्टिवल, 25वां भारत रंग महोत्सव (BRM), अपने 10वें दिन भी भारत और दुनिया भर से अलग-अलग तरह के थिएटर प्रदर्शनों के शक्तिशाली प्रदर्शन के साथ दर्शकों को लुभाता रहा। जब तक यह खबर पाठकों तक पहुंचेगी, BRM 2026 भारत में 19 जगहों पर 130 से ज़्यादा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन - जिसमें माइक्रो ड्रामा और वन-एक्ट प्ले शामिल हैं - पहले ही दिखा चुका होगा। इन प्रदर्शनों में 31 माइक्रो ड्रामा, 5 वन-एक्ट प्ले और 9 नुक्कड़ नाटक शामिल थे, जिन्हें दिल्ली-NCR के कॉलेजों के अलग-अलग छात्र समूहों ने पेश किया, जिससे फेस्टिवल की लाइनअप में गहराई, रचनात्मकता और युवा ऊर्जा जुड़ी। इन नाटकों के अलावा, BRM 2026 में अब तक विभिन्न इन्फोटेनमेंट कार्यक्रम - जिसमें बैंड परफॉर्मेंस, टॉक शो, साहित्यिक चर्चाएं, फिल्म स्क्रीनिंग और बच्चों की थिएटर वर्कशॉप शामिल हैं - भी इसका हिस्सा रहे हैं। फेस्टिवल के 10वें दिन कहानी कहने का एक समृद्ध स्पेक्ट्रम दिखाया गया, जिसमें आकर्षक उर्दू और हिंदी कहानियों से लेकर कश्मीरी लोक परंपराएं शामिल थीं, साथ ही पोलैंड और रूस के अंतर्राष्ट्रीय प्रोडक्शन भी थे - जो वैश्विक कहानियों को एक ही मंच पर लाए। इस दिन एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक सेगमेंट, गौतम किशनचंदानी टीस जोसेफ टॉक शो भी हुआ, जिसने दर्शकों की ज़बरदस्त भागीदारी हासिल की और फेस्टिवल में एक जीवंत, इंटरैक्टिव परत जोड़ी। दिन का पहला फुल-लेंथ नाटक "बदज़ात" था, जिसे बिलकिस ज़फरुल हसन ने लिखा था और जावेद समीर ने निर्देशित किया था, जिसे क्रिएटिव अड्डा, दिल्ली ने प्रस्तुत किया। इसके बाद "डैडी" नाटक हुआ, जिसे सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ ने लिखा और निर्देशित किया था और उत्तर प्रदेश के दर्पण लखनऊ समूह ने इसका प्रदर्शन किया।

मेरठ रेलवे स्टेशन पर दिखेगी प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की झलकः अश्विनी वैष्णव

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज राज्यसभा में मेरठ की ऐतिहासिक विरासत और वहां के रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि मेरठ का इतिहास हमारे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) से गहराई से जुड़ा हुआ है और सरकार की यह प्राथमिकता है कि रेलवे स्टेशन का स्वरूप इस गौरवशाली इतिहास को प्रतिबिंबित करे। इतिहास और आधुनिकता का संगम सदन को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने बताया कि मेरठ का इतिहास जितना भव्य है, उसी के अनुरूप स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "मेरठ इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है। जिस तरह का मेरठ का गौरवशाली इतिहास है, उसके हिसाब से ही वहां के स्टेशनों को विकसित किया जा रहा है।" सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी की पहल की सराहना श्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा सांसद श्री लक्ष्मीकांत वाजपेयी के प्रयासों की विशेष प्रशंसा की। रेल मंत्री ने बताया कि उन्होंने स्वयं सांसद महोदय से व्यक्तिगत अनुरोध किया था कि वे मेरठ के वरिष्ठ नागरिकों और प्रबुद्ध जनों के साथ चर्चा करें, ताकि स्टेशन के डिजाइन में स्वतंत्रता आंदोलन की वास्तविक झलक को समाहित किया जा सके। मंत्री जी ने कहा, "मैं माननीय सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इस दिशा में बहुत ही सकारात्मक पहल की। उन्होंने स्थानीय वरिष्ठ नागरिकों के साथ बैठकर मंथन किया और एक नया डिजाइन प्रस्तुत किया है। वर्तमान में स्टेशन पर काम उसी नए डिजाइन के आधार पर तेजी से चल रहा है।"

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षणः इस नई पहल के तहत मेरठ रेलवे स्टेशन न केवल आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, बल्कि यह आने वाले यात्रियों और युवा पीढ़ी के लिए 1857 की क्रांति और मेरठ के स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियों को जीवंत करने वाला एक माध्यम भी बनेगा।

ड्रग्स तस्करी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उत्तरी जिला एंटी नारकोटिक्स सेल ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए सिविल लाइंस इलाके से एक ड्रग्स सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से 339.5 ग्राम उच्च गुणवत्ता की हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई है। आरोपित बुलेट मोटरसाइकिल पर नशे की खेप लेकर सप्लाई के लिए जा रहा था। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मजनूं का टीला निवासी गुड्डू (24) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपित पिछले 3 से 4 वर्षों से नशे की सप्लाई के धंधे में सक्रिय था। उत्तरी जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुमित कुमार झा ने शुक्रवार को बताया कि जिले की एंटी नारकोटिक्स सेल को 4 फरवरी की शाम गुप्त सूचना मिली थी कि गुड्डू नामक युवक स्मैक की सप्लाई के लिए चांदगीराम अखाड़ा से रिंग रोड की ओर जाएगा। वह रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होगा और सिविल लाइंस के इलाके से गुजरेगा। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर संजय कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने ट्रॉमा सेंटर, सिविल लाइंस के पास रणनीतिक तरीके से जाल बिछाया। शाम करीब 7:40 बजे चांदगीराम अखाड़ा की ओर से आती बुलेट मोटरसाइकिल को गुप्त सूचना के आधार पर रोका गया। तलाशी लेने पर आरोपित के पास से काले रंग की पॉलीथिन में 339.5 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वह यह नशा बरेली से लेकर आया था और ट्रांस यमुना इलाके में सप्लाई करने जा रहा था। उसने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से नशे की अवैध सप्लाई में लिप्त है। आरोपित ने जिस बुलेट मोटरसाइकिल का इस्तेमाल किया था, वह उसने मजनूं का टीला निवासी अपने एक दोस्त से निजी काम का बहाना बनाकर ली थी।

एनएमडीसी के कौशल विकास से प्रशिक्षित किए सभी युवा को मिला रोजगार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) लिमिटेड ने बस्तर प्रभाग के 80 युवाओं के पहले बैच का स्वागत किया। इन युवाओं ने रोजगार उन्मुख कौशल प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर 100 फीसदी प्लेसमेंट हासिल किया है। इस्पात मंत्रालय ने यह कार्यक्रम एनएमडीसी के सीएसआर प्रयासों के हिस्से के रूप में केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीईटी) के सहयोग से लागू की गई कौशल विकास पहल के तहत किया था। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, बस्तर, सुकमा, नारायणपुर, कोंडागांव और बीजापुर जिलों के साधारण परिवारों से आए छात्रों ने वहां के जीवन के बारे में बात की, जहां अवसर सीमित थे और विकल्प कम थे। उन्होंने कहा कि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल रोजगार प्रदान करता है, बल्कि अपने गृहनगर से बाहर निकलकर अपनी शर्तों पर आय अर्जित करने का आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। मंत्रालय ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य बस्तर के बेरोजगार और वंचित आदिवासी युवाओं को उद्योग-प्रासंगिक कौशल से लैस करके स्थायी आजीविका में सक्षम बनाकर सशक्त करना है। यह सम्मान समारोह और चर्चा सत्र एनएमडीसी के वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जिसमें अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) और निदेशक (वाणिज्यिक, अतिरिक्त प्रभार), जॉयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन) और निदेशक (कार्मिक, अतिरिक्त प्रभार), पी.श्याम, महाप्रबंधक (सीएसआर) और बी. रवि, प्रधान निदेशक, सीआईपीईटी, एनएमडीसी और सीआईपीईटी के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप के सामने घुटने टेके और भारतीय किसानों के हितों की बलि दी- खरगे

लोकतंत्र की शान

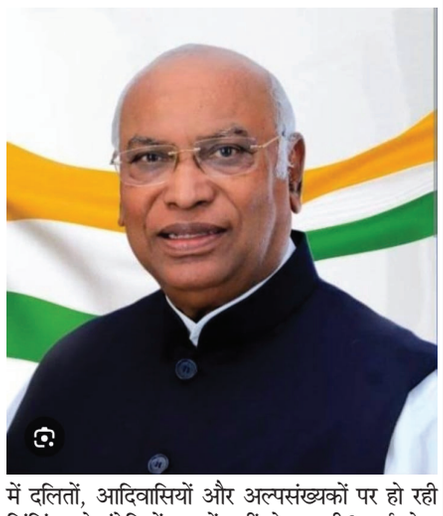

नई दिल्लीः कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी एपस्टीन फाइल आने को लेकर विचलित हैं, इसी कारण उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के सामने अपने घुटने टेक दिए और भारतीय किसानों के हितों की बलि दे दी। खरगे ने कहा कि ट्रेड डील से अमेरिकी किसान अमीर और भारतीय किसान गरीब होंगे, जिस पर अमेरिका की कृषि मंत्री ने खुश होकर कहा है कि इससे अमेरिका के पास खूब पैसा आएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय संबोधन पर तीखा पलटवार करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने इसे "स्तरहीन" और "झूठ से भरा" बताया। राज्यसभा में प्रधानमंत्री के 97 मिनट के भाषण को तथ्यों से परे बताते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के पास विपक्ष के सवालों का कोई ठोस जवाब नहीं है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रधानमंत्री के भाषण पर प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता नहीं है, फिर भी उनकी स्तरहीन बातों का जवाब देना जरूरी है क्योंकि झूठी बातों को दोहराना उनका पुराना काम रहा है। खरगे ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का मनोबल टूट चुका है और वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सवालों से इस कदर डरे हुए हैं कि सदन में बैठने से कतराते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार संसद को जानबूझकर नहीं चलाना चाहती और लगातार संसद ठप होना लोकतंत्र की विफलता है। इंटेलिजेंस इनपुट के बहाने पीएम के लोकसभा में न आने पर खरगे ने पूछा कि अगर सरकार की इंटेलिजेंस इतनी ही चौकस है, तो पुलवामा हमला क्यों हुआ? देश में दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों पर हो रही लिंचिंग को इंटेलिजेंस क्यों नहीं रोक पाती? पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की किताब को लेकर खरगे ने मोदी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब यह किताब सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है, तो रक्षा मंत्री और गृह मंत्री संसद में यह क्यों कह रहे हैं कि किताब प्रकाशित ही नहीं हुई? खरगे ने इसे संसदीय विशेषाधिकार का हनन बताते हुए कहा कि राहुल गांधी द्वारा उठाए गए तथ्यों से सरकार घबरा गई है। उन्होंने कहा कि जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यह मुद्दा उठाया, तो सरकार को मिर्ची लग गई और तथ्यों का जवाब देने के बजाय व्यक्तिगत हमले किए गए।

पत्रकारों ने पेंशन व कल्याणकारी सुविधाओं को लेकर सांसद से की मुलाकात

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पत्रकारों के लिए पेंशन, कैशलेस चिकित्सा सुविधा और रेल यात्रा किराए में पूर्व की भांति रियायत पुनः लागू करने की मांग को लेकर संघर्षरत मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व केंद्रीयमंत्री,लोक सभा सांसद श्री अरविंद सावंत से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ पत्रकार रवींद्र गुप्ता, रजनीकांत तिवारी, विनोद तकियावाला, अमित कुमार और सुशील देव शामिल थे। समिति के सदस्यों ने सांसद को अवगत कराया कि पत्रकारों की पेंशन और अन्य सुविधाओं का मुद्दा बेहद महत्वपूर्ण है। ज्ञात हो कि श्री सावंत पहले भी लोकसभा में उठा चुके हैं, लेकिन सरकार की ओर से मिला जवाब संतोषजनक नहीं रहा। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि देश के लगभग 18 राज्यों में पत्रकारों को पेंशन और अन्य कल्याणकारी सुविधाएं दी जा रही हैं, जबकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के पत्रकार अब भी इससे वंचित हैं। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि उम्रदराज और वरिष्ठ पत्रकार आर्थिक तंगी के कारण लगातार कठिन परिस्थितियों का सामना करते हैं। बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के चलते वे वैकल्पिक रोजगार भी नहीं कर पाते, ऐसे में उनकी सामाजिक सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना आवश्यक है। समिति ने सांसद से आग्रह किया कि वे इस मुद्दे को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाएं। इस पर श्री सावंत ने आश्वासन दिया कि वे पत्रकारों की समस्याओं को शीघ्र ही संसद में उठाकर सरकार को जमीनी स्थिति से अवगत कराएंगे।

पारो पिनाकी की प्रेम कहानीः सामाजिक मुद्दे पर बनी संवेदनशील फिल्मः 'पारो-पिनाकी की प्रेम कहानी'

लोकतंत्र की शान

इस फिल्म को देखने के उपरांत आप भी फिल्म की लीड एक्ट्रेस मेकर इशिता सिंह की इस बात के लिए एकबारगी जरूर तारीफ करेंगे कि उन्होंने अपनी अब तक की अपनी जमापूंजी को लगाकर एक ऐसे विषय पर पूर्ण सादगी और ईमानदारी के साथ फिल्म बनाई जहां बॉक्स ऑफिस के मोह और प्रॉफिट कमाने की उनकी मंशा दूर दूर तक नजर नहीं आती है। एक बार नहीं अनेको बार हम अखबारों के अंदर के पन्नो पर पर यह खबर पढ़ते है सीवर की सफाई करते हुए या बंद सीवर को खोलने के बीच निकली उसकी बेहद जहरीली गैस से सीवरकर्मी की मौत, और हम ऐसी खबरों को अक्सर इग्नोर कर अखबार का पन्ना बदल देते है यही हाल सरकार और सत्ता से जुड़े बाबुओं का भी होता है लेकिन जाने आम आदमी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की बेटी इशिता सिंह ने इस मुद्दे को संजीदगी से लिया अपनी रिसर्च टीम के साथ इस विषय पर काम किया। इस गंभीर मुद्दे को एक बेहद सिंपल प्रेम कहानी के साथ एक ऐसी प्रेम कहानी के साथ पेश किया जो कभी अपने अंजाम तक नहीं पहुंच पाई।

स्टोरी प्लॉट । मुंबई की एक स्लम बस्ती में अपने परिवार के साथ रहने वाली मरियम इशिता सिंह अपने अब्बा के साथ बाजार में सब्जी बेचती है , मरियम उर्फ पारो (इशिता सिंह) को पास की कालोनी में रहने वाले पिनाकी (संजय बिश्नोई) जो सीवर की सफाई का काम करता है से ऐसा सच्चा प्यार होता है कि अपने घर से उसके लिए खाना लेकर उससे मिलने जाती है , मरियम के अब्बा को यह न मंजूर नहीं और वह अपनी बेटी को एक ऐसे मानव तस्करी करने वाले एक गिरोह को बेच देते है और मरियम अपने सच्चे प्यार से दूर घुट घुट कर जीने को मजबूर हो जाती है, अपने प्यार की तलाश मे अपना सब कुछ भूल पिनाकी इधर उधर उसकी तलाश में लग जाता है क्या उसकी तलाश कामयाब होती है और पारो उर्फ मरियम को उसका सच्चा प्यार मिल पाता है यह जानने के लिए आपको यह फिल्म देखनी होगी।

ओवर ऑल – फिल्म की लीड, एक्ट्रेस इशिता सिंह ने एक भेंट में बताया मेरी इस फिल्म की कहानी सिर्फ एक लव स्टोरी नहीं, बल्कि समाज के उन तबकों की सच्चाई को दिखाने की मेरी कोशिश है, जिनकी बात शायद हम कभी नहीं करते फिल्मों में ऐसी स्टोरी की तो कोई सोच भी नहीं सकता ।एक सीवर कर्मी और सब्जी बेचने वालों की असली जिंदगी को पर्दे पर लाने की कोशिश हमने की है. इशिता ने अपने किरदार को बिना मेकअप किए पूरी ईमानदारी से निभाया है पीनारो के किरदार में संजय बिश्नोई बेशक कुछ दृश्यों में कमजोर रहे लेकिन अपने किरदार के साथ उन्होंने पूरी ईमानदारी बरती है लेखक और निर्देशक रुद्र जादौन की इस बात के लिए तारीफ होनी चाहिए कि उन्होंने सीमित बजट में कहानी की डिमांड के अनुसार पूरी फिल्म को आउटडोर लोकेशन में शूट किया हैं, फिल्म में एक बेहद गंभीर मुद्दा उठाया गया है यही वजह हम फिल्म की खामियों को नजर अंदाज करते है। अगर आप सच के साथ जुड़ी फिल्में पसंद करते है तो फिल्म आपके लिए है

कलाकारः इशिता सिंह, संजय बिस्नोई, हनुमान सोनी, धन्नजय सरदेश पांडे ,निर्माताः इशिता सिंह, उत्कर्ष सिंह, संजय बिस्नोई, प्रताप जादौन समर सिंह निर्देशकः रुद्र जादोन, संगीतः ब्रिटो, सेंसरः यू, अवधिः 94 मिनट,

सुप्रीम कोर्ट ने बीआरएस विधायकों पर फैसले के लिए तेलंगाना के स्पीकर को दिया आखिरी मौका

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना विधानसभा के स्पीकर को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने के लिए अंतिम मौका दिया है। जस्टिस संजय करोल की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अगर स्पीकर तीन हफ्ते में फैसला नहीं लेते हैं तो उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरु की जाएगी। याचिका बीआरएस पार्टी ने दायर की है। सुनवाई के दौरान विधानसभा स्पीकर की ओर से वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि स्पीकर ने एक मामले पर फैसला कर लिया है और दो पर वो फैसला लेने वाले हैं। राज्य में नगरपालिका के चुनाव थे जिसकी वजह से फैसला लेने में देरी हुई। इसका विरोध करते हुए बीआरएस के वकील ने कहा कि विधानसभा स्पीकर इसके पहले भी समय ले चुके हैं। तब जस्टिस करोल ने कहा कि इसके पहले की सुनवाई में विधानसभा स्पीकर ने फैसला लेने के लिए तीन हफ्ते का समय मांगा था, लेकिन न्यायालय ने दो हफ्ते का समय दिया था। न्यायालय ने कहा कि अगर तीन हफ्ते में कोई फैसला नहीं करते हो हम अवमानना की कार्रवाई शुरु करेंगे। उच्चतम न्यायालय ने 17 नवंबर 2025 को अयोग्यता पर फैसला नहीं करने पर तेलंगाना के विधानसभा स्पीकर के खिलाफ न्यायालय की अवमानना का नोटिस जारी किया था। तत्कालीन चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि स्पीकर ने तीन महीने का समय बीत जाने के बाद भी कोई फैसला नहीं किया। उच्चतम न्यायालय ने 31 जुलाई 2025 को स्पीकर को निर्देश दिया था कि वे कांग्रेस में शामिल हुए 10 बीआरएस विधायकों की अयोग्यता याचिकाओं पर तीन महीने के भीतर फैसला करें। विधायकों की अयोग्यता पर फैसला करने में देरी लोकतंत्र के लिए खतरा है। संसद को, विधायकों की अयोग्यता के मामलों में निर्णय लेने की मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा करनी चाहिए, क्योंकि कई बार विधानसभा स्पीकर इन मामलों में जानबूझकर देरी करते हैं जिससे दलबदलू विधायकों के खिलाफ कार्रवाई बेअसर हो जाती है।mnबीआरएस पार्टी की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि उनकी पार्टी के टिकट पर 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ने वाले 10 विधायकों के संबंध में फैसला लेने में विधानसभा स्पीकर काफी देरी कर रहे हैं। ये विधायक बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। उच्चतम न्यायालय ने 10 फरवरी 2025 को कहा था कि लोकतंत्र में पार्टियों के अधिकार को खत्म नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने स्पीकर से कहा था कि वे एक निर्धारित समय सीमा में अयोग्यता के लिए दायर अर्जियों पर फैसला करें। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि हम लोकतंत्र के दो दूसरे स्तंभों का सम्मान करते हैं लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि संसद के कानून का मकसद ही कामयाब नहीं हो। कोर्ट ने स्पीकर को निर्देश दिया था कि वो ये बताएं कि वे कब तक इन अर्जियों पर फैसला करेंगे। कोर्ट ने स्पीकर की ओर से पेश वकील से पूछा कि आप इस पर भी निर्देश लेकर आएं कि क्या उचित समय का मतलब विधानसभा का सत्र समाप्ति तक तो नहीं है। इस मामले में तेलंगाना उच्च न्यायालय ने स्पीकर को निर्देश दिया था कि वे विधायकों की अयोग्यता के मामले पर जल्द फैसला लें।

तुर्कमान गेट हिंसा : हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा- राहगीरों को गिरफ्तार नहीं कर सकते

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि फैज ए इलाही मस्जिद का अतिक्रमण हटाने के दौरान पत्थर चलाने के मामले में रोड पर खड़े लोगों को आरोपित नहीं बनाया जा सकता है। जस्टिस प्रतीक जालान ने आरोपित साजिद इकबाल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की। उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस से इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि दिल्ली पुलिस बताये कि याचिकाकर्ता की क्या भूमिका थी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से संबंधित वीडियो की दाखिल करने को कहा। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा कि वो इस मामले में गहरी साजिश का पता लगा रही है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि साजिद इकबाल ने बैरिकेड हटाए और लोगों को उकसाने का काम किया। कोर्ट में जब दिल्ली पुलिस ने घटना का वीडियो प्ले किया। तब कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि आप वीडियो को उचित टाइम स्टांप लगाकर दिखाइए। कोर्ट ने कहा कि अगर याचिकाकर्ता भीड़ का हिस्सा था, तब भी हिंसा में उसकी भूमिका पर विचार करना होगा। अगर वीडियो में दिखेगा कि आरोपित भीड़ को उकसा रहा था, तब तो ठीक है और अगर वो केवल सड़क पर खड़ा है, तो आप उसे उठा नहीं सकते। सुनवाई के दौरान आरोपित साजिद इकबाल के वकील ने कहा कि वो पत्थर फेंकने वाली भीड़ का हिस्सा नहीं था। याचिकाकर्ता अपने रिश्तेदार के यहां से अपने घर लौट रहा था जब उसे भीड़ में धकेल दिया गया। तीस हजारी कोर्ट ने साजिद इकबाल की अग्रिम जमानत याचिका 21 जनवरी को खारिज कर दी थी। तीस हजारी कोर्ट ने कहा था कि अभी जांच प्रारंभिक चरण में है इसलिए अग्रिम जमानत नहीं दी जा सकती। रामलीला मैदान इलाके के पास 7 और 8 जनवरी की रात फैज ए इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की गई।

अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के बाद हिंसा भड़क गई और लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया, जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हो गये।

संक्षिप्त समाचार

दहेज के लालची पति समेत चार लोगों पर पुलिस ने की एफआईआर दर्ज

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः अमरोहाः दहेज मांगने वाले चार लालची लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला थाना कोतवाली के एक मोहल्ले का है। यहां के एक मोहल्ला निवासी व्यापारी ने अपनी बेटी की शादी 4फरवरी 2024 को शहर के एक बैंकट हॉल में कोट चौकी क्षेत्र के मौहल्ला होदडिया निवासी पेंट व्यापारी राजीव गुप्ता के सुपुत्र शुभम गुप्ता के साथ बड़े ही धूमधाम से की थी। व्यापारी ने अपनी बेटी की शादी में अपनी सामर्थ्य से ज्यादा दान दहेज दिया था पर बेटी के ससुराल वाले उस दिए हुए दहेज से खुश नहीं थे शादी के कुछ टाइम बाद ही वह अपनी बहू को अपने मैके से सात लाख रुपए और एक कार लाने की मांग करने लगे। पीड़िता ने जब अपने ससुराल वालों से बोला कि अब उनके पिता की कुछ भी देने की सामर्थ नहीं है तो पति शुभम गुप्ता, ससुर राजीव गुप्ता, सास रीता गुप्ता व नंद श्रीमती शिवांगी गुप्ता उसे बुरी तरह मानसिक व शारीरिक टॉर्चर करने लगे। पीड़िता के मायके वालों की तरफ से कई बार शहर के संभ्रांत लोगों के साथ मीटिंग हुई। पीड़िता के ससुराल वालों को समझाया गया पर वह अपनी ही जिद पर अड़े रहे। कहने लगे या तो तलाक करा दो या दहेज की मांग पूरी कर दो अगर थाने गए तो पूरे परिवार वालों को फंसा देंगे। पुलिस भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। 23 जनवरी 2025 को पीड़िता को ससुराल वालों ने बुरी तरह उत्पीड़न कर घर से निकाल दिया और कहा कि तू पहले दहेज में 7 लाख रुपए और गाड़ी लाकर दे कह कर घर से निकाल दिया। इस बीच कई दफा पीड़िता के परिवार वाले और रिश्तेदारों और मोहल्ले वासियों द्वारा उन्हें समझाया गया। पर वह नहीं माने। आखिर में पीड़िता ने पुलिस की शरण ली। 6 फरवरी शुक्रवार को पीड़िता की तहरीर पर पति शुभम गुप्ता, ससुर राजीव गुप्ता, सास रीता गुप्ता और नंद श्रीमती शिवांगी गुप्ता के खिलाफ पुलिस ने दहेज अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

स्वास्थ्य विभाग ने ढबारसी में मात्र एक अवैध क्लिनिक को किया सील, बाकी धड़ल्ले से संचालित

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः ढबारसीः ढबारसी क्षेत्र में लंबे समय से बिना पंजीकरण संचालित हो रहे अवैध क्लिनिकों और पैथोलॉजी लैबों ने आम जनता के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। बिना प्रशिक्षित डॉक्टर, बिना मानकों की जांच व्यवस्था और बिना किसी निगरानी के ये संस्थान वर्षों से लोगों का इलाज कर रहे हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग अब तक आंखें मूंदे बैठा रहा, जिससे विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों की लगातार शिकायतों और मीडिया में उठी आवाज के बाद हाल ही में ढबारसी सीएचसी प्रभारी इमरान व उनकी टीम ने अचानक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण से लोगों को उम्मीद जगी कि अब अवैध कारोबार पर सख्त कार्रवाई होगी। लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल एक ही अवैध क्लिनिक को सील किया गया, जबकि दर्जनों अन्य क्लिनिक और लैब पहले की तरह खुलेआम संचालित होते रहे। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। लोग पूछ रहे हैं कि जब अवैध संस्थानों की संख्या इतनी अधिक है, तो फिर कार्रवाई सिर्फ एक तक ही क्यों सीमित रही? क्या यह महज औपचारिकता थी, या फिर किसी दबाव के चलते बाकी संस्थानों को छोड़ दिया गया?स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कुछ अवैध क्लिनिकों को प्रभावशाली लोगों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके कारण उन पर विभाग हाथ डालने से बचता है। वहीं यह भी चर्चा है कि कार्रवाई से पहले कई संचालकों को गुप्त रूप से सूचना मिल गई थी, जिससे वे अपने दस्तावेज और उपकरण सुरक्षित कर सके। क्षेत्रवासियों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि निष्पक्ष जांच कर सभी अवैध क्लिनिकों और पैथोलॉजी लैबों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि जनता के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके। अब देखना यह है कि स्वास्थ्य विभाग वास्तव में जिम्मेदारी निभाएगा या फिर यह अभियान भी दिखावे तक ही सीमित रह जाएगा।

महमूदपुर माफी में 'चॉइस कलेक्शन' का भव्य उद्घाटन, कौसर अब्बास रहे मुख्य अतिथि

लोकतंत्र की शान : मुरादाबाद/ नगर पंचायत महमूदपुर माफी में आज व्यापार और विकास की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ गया, जब इरफान मलिक के प्रतिष्ठान 'चॉइस कलेक्शन' का भव्य उद्घाटन बड़े ही उत्साह और गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर नगर पंचायत सिरसी (संभल) के चेयरमैन कौसर अब्बास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने रिबन काटकर दुकान का उद्घाटन किया और इरफान मलिक को इस नए व्यवसाय के लिए दिल से शुभकामनाएं दीं। चेयरमैन कौसर अब्बास ने कहा कि युवाओं का व्यापार की ओर आगे बढ़ना क्षेत्र की आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। ऐसे प्रयास समाज को नई दिशा देते हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पंचायत महमूदपुर माफी के चेयरमैन मंगल सिंह सैनी एवं नवाब आजम अली खान शानू भी मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने दुकान का निरीक्षण किया और चॉइस कलेक्शन की गुणवत्ता व साज-सज्जा की सराहना की। स्थानीय लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। उद्घाटन के दौरान क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। लोगों का कहना है कि चॉइस कलेक्शन से क्षेत्रवासियों को बेहतर गुणवत्ता और आधुनिक विकल्प एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम के अंत में इरफान मलिक ने सभी अतिथियों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे ग्राहकों की उम्मीदों पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे।

नगर पालिका परिषद संभल क्षेत्र में हर वार्ड तक पहुंचेगा विकास

लोकतंत्र की शान , सैय्यद कुमैल ज़ैदी

आने वाले समय में होंगे और बड़े कामः चौधरी मुशीर अली खान

सम्भलः नगर पालिका परिषद संभल क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नं. 31 फतेह उल्लाह सराय में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण आज चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान द्वारा किया गया। इस दौरान उनके साथ वार्ड सदस्य इब्राहिम अंसारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति का जायजा लिया गया। चौधरी मुशीर अली खान ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए और कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद संभल क्षेत्र में विकास कार्य उनकी प्राथमिकता है और हर वार्ड तक विकास पहुंचाना उनका संकल्प है। निरीक्षण के दौरान चौधरी मुशीर अली खान ने कहा कि आने वाले समय में नगर पालिका परिषद संभल क्षेत्र में इससे भी कहीं अधिक और बड़े विकास कार्य कराए जाएंगे, ताकि आम जनता को बेहतर सड़क, नाली, सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाएं मिल सकें। स्थानीय नागरिकों ने सड़क निर्माण कार्य को लेकर खुशी जताई और कहा कि चौधरी मुशीर अली खान विकास और जनता के सबसे बड़े हितैषी हैं। उनके प्रयासों से क्षेत्र में लगातार विकास हो रहा है, जिससे लोगों का विश्वास और मजबूत हुआ है। लोगों का कहना है कि चौधरी मुशीर अली खान हमेशा जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनते हैं और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल कराने का कार्य करते हैं। उनके नेतृत्व में नगर पालिका परिषद संभल क्षेत्र विकास की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

महामंत्री जगबीर मौर्य ने समाज से एक जूटता के साथ जयंती मनाने की अपील की

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति के नव चयनित महामंत्री जगबीर मौर्य ने 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती समाज के सभी लोगों से एकता और अखंडता के साथ एक ही बैनर तले मनाया जाने के अपील की है उन्होंने शुक्रवार को अपने आवास/ प्रतिष्ठान पर प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि इस बार सभी ने सोचा था कि एक ही बैनर के तले अंबेडकर जयंती समारोह मनाया जाएगा जिसके चलते रविदास जयंती के अगले दिन 3 फरवरी को समाज के सभी ग्रुपों पर बैठक आयोजित किए जाने के मैसेज तथा फोन कर दिए गए थे लेकिन दूसरे संगठन द्वारा जल्दबाजी में तुरंत बैठक बुलाकर अलग समिति बना ली गई जबकि इस बार एक ही बैनर के तले जयंती मनाई जाने की उम्मीद की जा रही थी, उन्होंने बताया कि जिसमें अध्यक्ष दिनेश कुमार गैस एजेंसी वालों को बनाया गया है तथा अन्य लोगों को भी जिम्मेदारी दी गई है मीटिंग में भारी संख्या में पहुंचे लोगों ने एक ही बैनर के तले जयंती बनाए जाने का निर्णय लिया है, वही जगबीर मौर्य ने बताया कि समिति के महामंत्री होने के नाते वह सर्व समाज से बाबा अंबेडकर साहब के अनुयायियों से अपील करते हैं कि सभी 14 अप्रैल को एकजुटता के साथ जयंती मनाए और आपसी प्रेम भाईचारा कायम रखें।

किसानों को अब 5 मिनट में ई-केसीसी से ऋणः सीएम योगी

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस ने उत्तर प्रदेश में ऋण स्वीकृति की तस्वीर ही बदल दी है। अन्नदाता किसान जब पहले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से ऋण लेने जाता था, तो 25 दिन से लेकर एक महीने तक इंतजार करना पड़ता था, लेकिन आज वही किसान ई-केसीसी के माध्यम से मात्र पांच मिनट में ऋण सुविधा प्राप्त कर रहा है। वर्ष 2026-27 के लिए जो हमारा कृषि ऋण 3 लाख करोड़ है, यह पहले की तुलना में 13 फीसदी बढ़ा है। यही सुशासन है और इसी दिशा में हमें और मजबूती से आगे बढ़ना होगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को लोकभवन में आयोजित राज्य ऋण संगोष्ठी एवं राज्य फोकस पेपर 2026-27 के विमोचन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज सरकार और अन्नदाता किसान मिलकर सोच रहे हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग खेती में कैसे किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से केंद्रीय बजट में एआई एग्रीकल्चर प्लेटफॉर्म की घोषणा की गई है और उत्तर प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कई एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन) को मंच पर सम्मानित भी किया।

दिव्यांग और महिला नेतृत्व वाले एफपीओ बने प्रदेश के लिए रोल मॉडल-मुख्यमंत्री ने कहा कि संगोष्ठी में जो मॉडल प्रस्तुत किए गए, वे पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा हैं। दिव्यांगजनों द्वारा संचालित कसया मिल्क प्रोड्यूसर एफपीओ, जिसमें 1,005 सदस्य हैं, इसका जीवंत उदाहरण है। पूर्वी उत्तर प्रदेश जैसे क्षेत्रों में, जिन्हें पहले कमजोर माना जाता था, दिव्यांगजनों ने अपनी मेहनत और क्षमता से नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह आंखें खोलने वाला काम है और इसके लिए वे सभी अभिनंदन के पात्र हैं। मुख्यमंत्री ने मथुरा की 750 महिलाओं वाली सरसों उत्पादन कंपनी का उल्लेख करते हुए कहा कि मैंने स्वयं उनकी प्रदर्शनी देखी है। किस तरह मस्टर्ड ऑयल को प्रोसेसिंग से जोड़कर महिलाओं ने बेहतर मुनाफा कमाया, यह पूरे प्रदेश के लिए सीख है। सरकार इस तरह के प्रयासों को हर स्तर पर सहयोग देगी।

एमएसएमई को नई जान, ओडीओपी बना यूपी की पहचान-सीएम योगी ने कहा कि आज सहकारिता क्षेत्र भी बदल रहा है। "सहकार से समृद्धि की ओर" के विजन के तहत डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस और पारदर्शी नीतियों से सहकारी संस्थाओं में सुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जो विश्व बैंक के साथ एग्री-टेक के क्षेत्र में काम कर रहा है।

समावेशी विकास की दिशा में योगी सरकार का सशक्त कदम, अल्पसंख्यक समुदाय के 2.39 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मिली छात्रवृत्ति

लोकतंत्र की शान

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना (2025-26)

अल्पसंख्यक समुदाय के 2,39,349 छात्र-छात्राओं को ₹71.35 करोड़ का वितरण

छात्रवृत्ति योजना	छात्र-छात्राओं की संख्या	धनराशि (करोड़ रुपये में)
प्री-मैट्रिक	1,09,084	32.19
पोस्ट मैट्रिक	1,30,265	39.16

लखनऊ। योगी सरकार ने समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने के अपने संकल्प को मजबूती प्रदान की है। इस दिशा में योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत 2.39 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान किया है। इस योजना के अंतर्गत इस वर्ष अब तक लगभग 71.35 करोड़ रुपये की धनराशि का वितरण किया जा चुका है। योगी सरकार की ये योजना प्रदेश के सिख, जैन, बौद्ध और मुस्लिम जैसे अल्पसंख्यक समुदाय के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को शिक्षा प्राप्त करने में आर्थिक संबल प्रदान करती है। साथ ही समाज के सभी वर्गों को विकास का समान अवसर प्रदान कर सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की अवधारणा को साकार कर रही है।

प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत अल्पसंख्यक समुदाय के 1,09,084 छात्र हुए लाभान्वित-अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में कक्षा 9 और 10 में पढ़ने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के लगभग 1,09,084 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है। योजना के तहत इस मद में लगभग 37.20 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया था। इसमें पहले और दूसरे चरण में लगभग 64,312 छात्र-छात्राओं को 19.03 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। तीसरे चरण में 25 जनवरी 2026 तक लगभग 44,772 विद्यार्थियों को 13.16 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति का वितरण किया गया है। इस प्रकार प्री-मैट्रिक स्तर पर अब तक तीन चरणों में लगभग 32.19 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति का वितरण किया चुका है। शेष धनराशि से वंचित विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

चपती गांव में पांच दिवसीय बौद्ध धम्म ज्ञान चर्चा का हुआ समापन

» बहुजन समाज में जन्मे महापुरुषों की प्रस्तुत की गई झाकियां

लोकतंत्र की शान , देवेंद्र सिंह

सीतापुर /रामकोट- इलाके के चपती मजरा अर्थाना में पाँच दिवसीय बौद्ध धम्म ज्ञान चर्चा का आयोजन किया गया। समापन के अवसर पर भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारियों के द्वारा तथागत गौतम बुद्ध व संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर सम्मान पूर्वक पुष्पांजलि अर्पित की गई। बौद्ध धर्म ज्ञान चर्चा के मुख्य आयोजक आशुतोष गौतम व ग्राम चपती की कमेटी के कार्यकर्ताओं के द्वारा पत्रकारों,विशिष्ठ अतिथियों व भीम आर्मी,आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। जिला पंचायत वार्ड नंबर 37 के प्रत्याशी अतुल सोनी ने बौद्ध धम्म ज्ञान चर्चा के कथावाचक संदीप प्रकाश बौद्ध को तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा देकर सम्मानित किया,व चपती की पूरी टीम की भूरि भूरि प्रशंसा की,कहा बहुजन समाज अब जागरूक हो रहा है किसी के बहकावे में नहीं आएगा। शिक्षित होकर समाज की दिशा और दशा बदल रही है । कथा वाचक ने तथागत गौतम बुद्ध बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर,माता सावित्री बाई फुले,सहित बहुजन समाज में जन्मे तमाम महापुरुषों की झांकियां प्रस्तुत की गई। आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष विश्वदीप चौधरी ने कहा सावित्री बाई फुले ,ज्योतिबा राव फुले , फातिमा बेग बेग ने गांव गांव घर घर जाकर शिक्षा दिलाने का काम किया था। बहुजन समाज को नशे से दूर रहना चाहिए,अपने बच्चों को संस्कार देकर उनके भविष्य को सुधारने का काम करें, तभी बहुजन समाज का उत्थान होगा और तभी बाबा साहब व कांशीराम के मिशन को पूरा कर पाएंगे। बहुजन समाज को एक जुट होने की बहुत जरूरत है। इस मौके पर भीम आर्मी भारत एकता मिशन तहसील सदर संयोजक अनुपम गौतम,तहसील सदर मीडिया प्रभारी जितेंद्र कुमार, आर्नव न्यूज अखबार के संपादक,शतीश आर्य,पत्रकार ऑल इंडिया संपादक संघ जिला अध्यक्ष सन्तोष कुमार राव, विधि सलाहकार एडवोकेट अरुण कुमार राज,ललित कुमार राजवंशी,अरुण बॉस,आशा सिंह,सत्यपाल गौतम,कमेटी के बनवारी लाल गौतम, अजय कुमार जाटव ,मनोहर लाल गौतम अमित कुमार गौतम रोमिल जाटव, सचिन जाटव, रामखेलावन गौतम,संतराम गौतम,कौशल जाटव,महेश जाटव ,एवं कमेटी के सहित सैकड़ो की संख्या में महिलाएं व पदाधिकारी गण उपस्थित रहें ।

S R M के अंतर्गत राज्य स्तर से आई टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण किया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का SRM के अंतर्गत राज्य स्तर से आई टीम द्वारा निरीक्षण किया गया, बता ते चले कि सर्वप्रथम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर डॉ ध्रुवेद्र सिंह ने राज्य स्तर टीम के अधिकारी एवं डिप्टी सीएमओ जितेंद्र सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनुराग भाटी आदि का बुके देकर स्वागत किया गया, उसके उपरांत टीम ने हसनपुर सीएचसी का भ्रमण किया उसके उपरांत टीम ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर कुआडाली में पहुंचकर निरीक्षण किया वही इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी ने बताया कि टीम द्वारा हसनपुर ब्लॉक के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण तीन दिन लगातार 6 फरवरी से 8 फरवरी तक किया जाएगा, इस दौरान टीम ने अपने भ्रमण में की गई जांच को डायरी में अंकित किया बताया जा रहा है कि टीम द्वारा समस्त जांच राज्य स्तरीय अधिकारियों एवं स्वास्थ्य विभाग मंत्रालय को सोपी जाएगी।

रामभक्तों का अपमान विरासत का अपमानः योगी आदित्यनाथ

लोकतंत्र की शान

लखनऊ/हरिद्वार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक समय था, जब विरासत को कोसा जाता था, अपमानित किया जाता था, लांछित किया जाता था। राम भक्तों पर गोलियां चलती थीं, उनका अपमान किया जाता था। लेकिन, यह रामभक्तों का नहीं, भारत की विरासत का अपमान होता था, भारत के आध्यात्मिक मूल्यों का अपमान होता था। इसका परिणाम यह निकला कि उत्तर प्रदेश अराजकता का अड्डा बन गया, लूट का अड्डा बन गया और दंगों की आग में झुलसने लगा। गुंडागर्दी भी चरम पर, ना बेटी सुरक्षित थी और न व्यापारी। हमारी सरकार में विरासत का सम्मान हुआ तो बेटी सुरक्षित हो गई और व्यापारी भी। आज उत्तर प्रदेश देश की दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था के रूप में भी आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी शुक्रवार को हरिद्वार में आयोजित स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की श्री विग्रह मूर्ति स्थापना समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में न अराजकता है, न फसाद है, न गुंडागर्दी है। न कर्फ्यू है, न दंगा है - यूपी में अब सब चंगा है। दंगा और दंगाई, दोनों गायब हो गए हैं। कर्फ्यू दंगाइयों पर लग गया है। यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि नीति स्पष्ट थी, नीयत साफ थी। कोई सोचता था कि 500 वर्षों के बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो पाएगा? लेकिन, आज भव्य राम मंदिर बन गया।

आश्रम से मिला एमबीए का वास्तविक ज्ञान-मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग अक्सर पूछते हैं कि बिना किसी औपचारिक प्रशासनिक अनुभव के आप उत्तर प्रदेश कैसे चला रहे हैं, तो मेरा उत्तर होता है कि आश्रम व्यवस्था से जुड़ा हूं। प्रशासन कैसे चलाना है, प्रबंधन कैसे करना है, भारत का संन्यासी आश्रम पद्धति से सीखता है। प्रशासन हमारे संस्कारों व जींस का हिस्सा है। एमबीए की वास्तविक शिक्षा तो भारतीय आश्रम पद्धति से ही मिलती है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश आज अराजकता से निकलकर विकास और सुशासन का मॉडल बनकर उभरा है। भारत की प्रशासनिक, आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति की जड़ें, आश्रम व गुरुकुल परंपरा में हैं। जहां कृषि, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद, शिल्प व प्रशासन जैसे विषयों का केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान दिया जाता है। जीवन से जुड़े हर प्रश्न का उत्तर मिलता है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर तेजी से आकार ले रहा टॉय पार्क, 154 में से 143 प्लॉट आवंटित

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की औद्योगिक विकास नीति का असर अब यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक क्षेत्र में साफ दिखाई देने लगा है। औद्योगिक सेक्टर-33 में विकसित किए जा रहे टॉय पार्क में निवेश और निर्माण दोनों ही स्तर पर तेज प्रगति दर्ज की गई है। प्राधिकरण द्वारा टॉय पार्क के लिए आरक्षित 100 एकड़ भूमि पर कुल 154 औद्योगिक भूखंड नियोजित किए गए हैं, जिनमें से 143 भूखंडों का आवंटन पूरा हो चुका है। यह आंकड़े प्रदेश में औद्योगिक निवेश को लेकर निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार का फोकस स्पष्ट है कि औद्योगिक परियोजनाओं को केवल मंजूरी तक सीमित न रखते हुए उनका समय पर क्रियान्वित सुनिश्चित करना। यमुना एक्सप्रेसवे पर विकसित हो रहा टॉय पार्क इसी नीति का उदाहरण बनकर उभर रहा है। पारदर्शी आवंटन, तेज लीज प्रक्रिया और निर्माण गतिविधियों के चलते उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

120 आवंटियों को चेकलिस्ट जारी-यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की ताजा प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, टॉय पार्क के अंतर्गत 143 आवंटित भूखंडों में से 124 निवेशकों द्वारा लीज प्लान प्रस्तुत किए जा चुके हैं, जबकि 19 मामलों में लीज प्लान अभी प्राप्त नहीं हुए हैं। इन निवेशकों को एक माह के भीतर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। अब तक 120 आवंटियों को चेकलिस्ट जारी की जा चुकी है और 4 मामलों में चेकलिस्ट जारी करने की प्रक्रिया प्रगति पर है।

76 निवेशकों को मिला पजेशन-भूमि हस्तांतरण के स्तर पर भी टॉय पार्क परियोजना ने ठोस रफ्तार पकड़ी है। अब तक 108 निवेशकों के पक्ष में लीज डीड का निष्पादन पूरा किया जा चुका है, जबकि 76 निवेशकों को विधिवत पजेशन भी प्रदान कर दिया गया है। इसके साथ ही परियोजना अब केवल फाइलों में नहीं, बल्कि जमीनी निर्माण की दिशा में आगे बढ़ चुकी है।

निर्माण कार्य भी प्रगति पर-निर्माण गतिविधियों की बात करें तो 15 निवेशकों के भवन मानचित्र स्वीकृत हो चुके हैं, जबकि 4 औद्योगिक इकाइयों में निर्माण कार्य की शुरुआत भी हो गई है। इसे टॉय पार्क के वास्तविक रूप लेने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। योगी सरकार का जोर है कि आवंटन के साथ-साथ परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतरें, जिससे रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

वैभव के नाम 2 नए वर्ल्ड रिकॉर्ड175 रन बनाकर यूथ वनडे के टॉप स्कॉरर बने

पटना। अंडर-19 वर्ल्ड कप का फाइनल भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा है। बिहार के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने इस फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन किया। वैभव ने 80 बॉल में 175 रन बनाए, जिसमें 15 चौके और 15 छक्के शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने 2 वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किए हैं। वैभव ने U-19 विश्व कप में सबसे अधिक छक्के जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। पूरे टूर्नामेंट में अबतक वैभव ने 30 छक्के लगाए हैं। उन्होंने बैक टू बैक दो छक्के मारकर दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस का रिकॉर्ड तोड़ा है। जिन्होंने 2022 अंडर-19 वर्ल्ड कप में 18 छक्के लगाए थे। वैभव सूर्यवंशी आज की अपनी शानदार पारी के बदौलत यूथ वनडे में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में नंबर- वन खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने आज एक ही मैच में तीन खिलाड़ियों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वैभव यूथ वनडे करियर में अब तक 1412 रन बनाए हैं। CM नीतीश कुमार ने वैभव सूर्यवंशी को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि वैभव ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बलबूते भारतीय क्रिकेट की एक नई उम्मीद बन गए हैं। मेरी शुभकामना है कि वैभव भविष्य में भारतीय टीम के लिए नया कीर्तिमान रचें और देश का नाम रौशन करें। वैभव सूर्यवंशी U-19 विश्व कप के एक टूर्नामेंट में सबसे अधिक छक्के जड़ने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस दौरान संजू सैमसन का रिकॉर्ड भी तोड़ा है। इस पूरे टूर्नामेंट में वैभव ने 15 छक्के लगाए हैं। वैभव अंडर-19 विश्व कप के एक टूर्नामेंट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की रिकॉर्ड लिस्ट में इंग्लैंड के जैक बर्नहम के साथ दूसरे नंबर पर काबिज हो गए हैं।

पति को ड्रग्स लेने से रोका तो मारा, थूक चटवाई

पटना। बिहार राज्य महिला आयोग में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जिसमें पीड़िता ने अपने पति पर प्रताड़ित करते हुए थूक चटवाने का आरोप लगाया है। यहां तक की पीड़िता ने ये भी कहा कि उसके पति ने इतना मारा कि उसका 10 दिन का नवजात बच्चा कोमा में चला गया और फिर उसकी जान चली गई। उसके अंतिम संस्कार में भी पति शामिल नहीं हुआ। पीड़िता ने अपने पति पर कई लड़कियों से अवैध संबंध होने का भी आरोप लगाया है, जिसमें उसकी बचपन की दोस्त भी शामिल है। यह मामला मोकामा थाना क्षेत्र का है। पीड़ित महिला ने कहा कि, 'मेरी शादी 13 दिसंबर 2021 को कुमार गौरव से हुई थी। शादी के 10 दिन बाद मुझे पता चला कि मेरा पति ड्रग्स लेता है। मैंने उन्हें एक पेपर पर उजले पाउडर को नाक से खींचते हुए देखा। मैं यह देखकर दंग रह गई और जब मैंने उन्हे रोका तो वह मुझे मारने लग गए।' फिर पति ने कहा कि वह मुझे बस बच्चा पैदा करने और घर का काम करने के लिए लाए हैं। इसलिए सब कुछ देखकर भी मैं अपना मुंह बंद करके रखूं। मेरे सास ससुर भी कुछ नहीं कहते थे और अपने बेटे का ही साथ देते थे। पीड़ित महिला ने आगे बताया कि, '2023 में मैंने एक बेटे को जन्म दिया। मुझे लगा कि सब कुछ ठीक हो जाएगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। मेरे पति ने मुझे धमकी दी कि मैं मुंह बंद करके रखूं, नहीं तो मैं शादी तोड़कर चली जाओ। मेरे पिता ने शादी में अपना चार बीघा जमीन बेच दिया और बैंक बैलेंस भी खत्म हो गया। अपने पिता की इज्जत के बारे में सोच कर मैं वहीं रुक गई।'

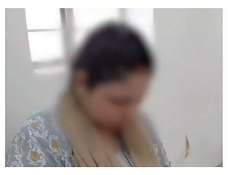

बिहार में फरवरी अंत तक ठंड से राहत नहीं

पटना। बिहार में मौसम सामन्य बना हुआ है। सुबह और शाम के समय हल्की ठंडक महसूस की जा रही है, जबकि दिन में धूप निकलने से लोगों को ठंड से राहत मिल रही है। मौसम विभाग ने आज किसी भी जिले में कोहरे का अलर्ट जारी नहीं किया है। आज सुबह बगहा-मधुबनी में कोहरा छाया हुआ है। हालांकि, आने वाले दिनों में पहाड़ी इलाकों में फिर से बारिश और बर्फबारी की संभावना है, जिससे बिहार में इसका असर देखा जा सकता है। फरवरी के दूसरे सप्ताह से तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। पटना में फिलहाल मौसम सामान्य से हल्का ठंडा रहने की संभावना है। सुबह हल्की ठंड या ठंडी हवा महसूस हो सकती है, जबकि दिन में धूप निकलने से राहत मिलेगी। पिछले 24 घंटे के दौरान 10.3 डिग्री के साथ सीवान सबसे ठंडा जिला रहा। जबकि मोतिहारी में 10.6 डिग्री, समस्तीपुर में 10.9 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। पटना में न्यूनतम तापमान सबसे अधिक 14 डिग्री रहा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तर भारत इस समय ट्रांजिशन फेज में है, यानी ठंड धीरे-धीरे खत्म हो रही है लेकिन पूरी तरह विदा नहीं हुई है। जब तक पश्चिमी विक्षोभ और जेट स्ट्रीम का असर बना रहेगा, तब तक तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। फरवरी के दूसरे सप्ताह से ठंड में धीरे-धीरे कमी आने की संभावना जताई जा रही है।

आपसी विवाद में दोस्त ने ही ली जान, पटना के फुलवारी शरीफ हत्याकांड का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

पटना। पटना के फुलवारी शरीफ में मोहम्मद महताब आलम हत्याकांड का खुलासा हो गया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, महताब की हत्या आपसी विवाद के चलते की गई थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान फुलवारी शरीफ के नया टोला निवासी मोहम्मद तौसीफ (19) के रूप में हुई है। पुलिस दूसरे आरोपी बंटी उर्फ काना को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। यह घटना 19 जनवरी 2026 को हुई थी, जब फुलवारी शरीफ के मिनहाज नगर स्थित एक खंडहरनुमा मकान में मोहम्मद महताब आलम को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामला सामने आने के बाद, फुलवारी शरीफ पुलिस ने घटना के खुलासे के लिए एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया था। इसी टीम ने कार्रवाई करते हुए मोहम्मद तौसीफ को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान, तौसीफ ने बताया कि उसने अपने दोस्त बंटी उर्फ काना के साथ मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। हत्या का कारण आपसी विवाद बताया जा रहा है। फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि, 'बंटी उर्फ काना का आपराधिक इतिहास रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि मृतक मोहम्मद महताब आलम के खिलाफ भी कई आपराधिक मामले दर्ज थे और वह पहले जेल जा चुका था।'

पटना-चहारदीवारी के पास कपड़े में लिपटा मिला नवजात का शव, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पटना। गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के जीएसई फील्ड की चारदीवारी के किनारे कपड़े में लिपटा एक नवजात शिशु का शव मिला है। जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। सुबह वहां से गुजर रहे स्थानीय लोगों की नजर शव पर पड़ी। जिसके बाद आसपास के लोगों में चर्चा का विषय बन गया। पहले लोगों ने आस पास में इस घटना के बारे में पता किया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलने के बाद डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर गर्दनीबाग थाना के थानाध्यक्ष को पूरे मामले से अवगत कराया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) भेज दिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर यह आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा नवजात के शव को सुनसान स्थान पर फेंका गया है। फिलहाल गर्दनीबाग थाना की पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। ताकि यह पता लगाया जा सके कि शव को वहां किसने और कब रखा। पुलिस ने अपने बयान पर केस दर्ज कर लिया है। छानबीन हो रही है। खबर लिखे जाने तक सुराग नहीं मिल पाया था

बिहार के 10 लाख कर्मचारियों को मिलेगा कैशलेस इलाज

एजेंसी, पटना

बजट सत्र के चौथे दिन बजट पर चर्चा हुई। 3 फरवरी को सरकार ने 3.47 लाख करोड़ का बजट पेश किया था। सुबह की कार्यवाही में सरकार ने सदन में बड़ी घोषणाएं की। अब विधायकों, विधान पार्षदों, सरकारी कर्मचारियों को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा दी जाएगी। बीजेपी विधायक राघवेंद्र प्रताप के सवाल के जवाब के दौरान सरकार ने इसका ऐलान किया। इससे प्रदेश के 10 लाख कर्मचारियों और उनके आश्रितों को फायदा मिलेगा। बिहार में अब पीपीपी मोड में मेडिकल कॉलेज बनेंगे। दरअसल, बेतिया-मधेपुरा में मेडिकल कॉलेज बनाए जाने के बाद भी वहां डॉक्टर नहीं जाते हैं। जिसे देखते हुए सरकार ने ये फैसला लिया है। सरकारी डॉक्टरों को सुविधा देने के बाद भी अस्पताल नहीं आते हैं। ऐसे में सरकारी डॉक्टरों को प्राइवेट प्रैक्टिस से रोकने के लिए भी पॉलिसी बनाई जा रही है। सदन की कार्यवाही 9 फरवरी तक स्थगित कर दी गई है।

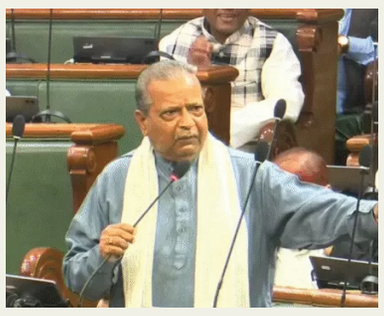

विधानसभा की छत का हिस्सा गिरा, विधायक बचे: बजट सत्र के चौथे दिन बड़ा हादसा होते-होते टल गया। दरअसल, कई विधायक विधानसभा के लिए जा रहे थे तभी भवन की छत का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिरा। गनीमत रही कि कोई विधायक इसकी चपेट में नहीं आए। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही राजद विधायक कुमार सर्वजीत ने स्पीकर से छत का हिस्सा टूटने की शिकायत की। उन्होंने कहा, 'आज सुबह कई माननीय सदस्य आए थे। पोर्टिको में खड़े थे। इतना बड़ा-बड़ा मलबा ऊपर से गिरा। कई विधायक बच गए।' बजट सत्र से पहले विधानसभा भवन का रेनोवेशन किया गया था। इसके लिए लाखों रुपए भी खर्च किए गए थे। बावजूद इसके छत का हिस्सा टूटकर गिर गया।

बीजेपी एमएलए की मांग पर सरकार का ऐलान, अब पीपीपी मोड में बनेंगे मेडिकल कॉलेज

CM के कहने पर अब्दुलबारी ने उतारी टोपी: गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अब्दुल बारी सिद्दीकी से कहा कि यह टोपी अब्दुल बारी सिद्दीकी के सिर पर क्यों है, उतरवाइए। इस पर अब्दुल बारी सिद्दीकी ने अपनी टोपी उतार दी। उन्होंने कहा, लीजिए आपका हुकुम सिर आंखों पर मैं अपनी टोपी उतार देता हूं।

पटना में कबाड़ी दुकानदारों के बीच फायरिंग

एक युवक के हाथ में लगी गोली, अस्पताल में भर्ती, तीन आरोपी हिरासत में

एजेंसी, पटना

पटना के शास्त्री नगर इलाके के बालदेव भवन रोड में देर रात करीब 2 बजे आपसी विवाद में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि दोनों पक्ष कबाड़ी की दुकान चलाते हैं, जिसमें एक बदरी आलम उर्फ आरजू नाम के युवक के हाथ में गोली लगी है। फिलहाल परिजनों ने एक निजी अस्पताल में युवक को एडमिट कराया है, जहां घायल स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

शास्त्री नगर थाने में शिकायत, 3 हिरासत में: इस मामले को लेकर पीड़ित के पिता मोहम्मद सन्नी ने शास्त्री नगर थाने में शिकायत की है। SDPO सचिवालय 2 साकेत कुमार ने बताया कि, FIR दर्ज हो गई है। छानबीन की जा रही है। अंकित कुमार, किशोर राय, सन्नी साव को हिरासत में लिया गया है। इनसे पूछताछ हो रही है।'

पुराने विवाद से जुड़ा मामला: साकेत कुमार ने आगे बताया कि, अंकित और किशोर पुनाईचक के रहने वाले हैं और सन्नी साव नौबतपुर का रहने वाला है। इन्हीं लोगों से बदरी उर्फ आरजू से विवाद हुआ था।

स्पेशल ओलंपिक्स नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026

रोहतक में बिहार ने जीता 19 पदक सीनियर कैटेगरी में जीता 9 मेडल

एजेंसी, पटना

स्पेशल ओलंपिक्स नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में बिहार टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर कैटेगरी में बिहार ने कुल 19 पदक जीता है। सीनियर कैटेगरी में 9 मेडल, जूनियर कैटेगरी में 3 मेडल और सब-जूनियर कैटेगरी में 5 मेडल बिहार ने अपने नाम किया है। यह चैंपियनशिप 2 से 6 फरवरी 2026 तक हरियाणा के रोहतक में आयोजित हुई थी।

सीनियर कैटेगरी में 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीता: बिहार ने सीनियर कैटेगरी में 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीता। वहीं, जूनियर कैटेगरी में 1 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज, सब-जूनियर कैटेगरी में 2 गोल्ड, 1 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने कहा कि, 'बिहार के दल ने असाधारण दृढ़ संकल्प, अनुशासन और खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय मंच पर अपने सराहनीय प्रदर्शन से राज्य को गौरवान्वित किया। उनकी सफलता खेलों के माध्यम से समावेश, उत्कृष्टता और आत्मविश्वास को प्रेरित करती रहती है।'

जूनियर-सब जूनियर कैटेगरी में दिखाया दम

फुलवारी शरीफ में युवक की गोली मारकर हत्या, बाइक पर सवार होकर आए थे बदमाश

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र की विकास विहार कॉलोनी में शुक्रवार सुबह एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय सुनील कुमार के रूप में हुई है, जो स्थानीय निवासी मोहन यादव के बेटा था।

बाइक सवार अपराधी पहुंचे, सुनील पर दागी गोली: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुनील कुमार कॉलोनी में मौजूद थे, तभी बाइक सवार अपराधी वहां पहुंचे। अपराधियों ने सुनील को निशाना बनाकर गोली चला दी। गोली लगने से सुनील कुमार मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मृत्यु हो गई। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग जमा हुए, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे।

घटनास्थल से गोली के तीन खाली खोखे बरामद: घटना की सूचना मिलते ही फुलवारी शरीफ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से गोली के तीन खाली खोखे बरामद किए गए हैं। फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सुशील कुमार ने बताया, 'मृतक युवक के खिलाफ नौबतपुर सहित पटना के आसपास के थाना क्षेत्र में लगभग एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।'

आपसी रंजिश को लेकर हत्या की आशंका: सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने बताया कि, मृतक युवक की पहचान सुनील कुमार के रूप में हुई है, जो नौबतपुर का रहने वाला था। उन्होंने आशंका जताई है कि आपसी रंजिश को लेकर हत्या हो सकती है।

तीन खोखे बरामद, एफएसएल-फॉरेंसिक यूनिट मौके पर

एफएसएल और फॉरेंसिक यूनिट को बुलाया: मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को भी दी गई, जिसके बाद एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम और फॉरेंसिक यूनिट को घटनास्थल पर बुलाया गया। पुलिस के अनुसार, हत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश या पुरानी दुश्मनी की आशंका जताई जा रही है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है और अपराधियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुलवारी शरीफ थाना प्रभारी ने बताया कि, 'अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस फिलहाल मामले की गहन जांच में जुटी है।'

5 लाख रिश्वत लेते असिस्टेंट डायरेक्टर अरेस्ट, नियोजन भवन में विजिलेंस टीम ने रंगेहाथ दबोचा

एजेंसी, पटना

उप-निदेशक की शिकायत पर कार्रवाई

पटना में निगरानी विभाग की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विजिलेंस टीम ने नियोजन भवन में पदस्थापित असिस्टेंट डायरेक्टर परमजय सिंह को 5 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। निगरानी टीम ने नियोजन भवन की पार्किंग से आरोपी अदिकारी को गिरफ्तारी किया, जहां वह रिश्वत की रकम ले रहा था।

शिकायत के आधार पर बिछाया गया जाल: इस मामले की शिकायत उपनिदेशक ओमप्रकाश ने निगरानी विभाग से की थी। शिकायत की जांच के बाद निगरानी टीम ने जाल बिछाया। निगरानी के DSP पवन कुमार ने बताया कि, ओमप्रकाश ने निगरानी विभाग को बताया कि 26 आधौगिक प्रशिक्षण संस्थानों को कार्यालय खर्च और उपसकर खर्च के लिए 1 करोड़ 70 लाख 30000 रुपए जारी किए गए थे। पहले किश्त के तौर पर आज नियोजन भवन के दफ्तर के नीचे पार्किंग में खड़ी अपनी कार में रिश्वत के तौर पर 5 लाख रूपये ले रहे थे। इसी बीच अरेस्ट कर लिया गया। फिलहाल पूछताछ की जा रही है।

पूछताछ और आगे की कार्रवाई: गिरफ्तारी के बाद निगरानी की टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। मामले से जुड़े दस्तावेजों और अन्य संभावित लेन-देन की भी जांच की जा रही है। निगरानी विभाग का कहना है कि पूछताछ के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विभाग पर आरोपी ने लगाए आरोप: पकड़े गए आरोपी परमजय सिंह ने खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि नियोजन भवन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार चल रहा है। 80 करोड़ का एक टेंडर हुआ था। इसे 500 करोड़ में नियोजन भवन के अधिकारियों ने चेंज कर दिया। जून 2025 में जब हमलोग आए तो दफ्तर के अधिकारियों को लग रहा था कि हमलोग ही भंडाफोड़ रहे हैं। इसलिए साजिशन मेरी हर एक बात को रिकॉर्ड किया और ओमप्रकाश ने आज फंसा दिया। इनलोगों के भ्रष्टाचार के खिलाफ CMO, PMO और निगरानी में भी की है। यह अब तक का नियोजन भवन में सबसे बड़ा भ्रष्टाचार है।

नेत्रहीन टी-20 वर्ल्ड कप की विनर खिलाड़ी सीएम से सम्मानित

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना के 'संकल्प' सभागार में नेत्रहीन टी-20 महिला विश्व कप 2025 की विजेता भारतीय टीम की खिलाड़ी अनु कुमारी को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें 23 लाख 43 हजार 750 रुपये का चेक और सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया। अनु कुमारी उस भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं, जिसने विश्व कप जीतकर देश का नाम रोशन किया।

खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने का भरोसा: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अनु कुमारी को बधाई देते हुए कहा कि वह इसी तरह अच्छा प्रदर्शन करती रहें और राज्य व देश का नाम रोशन करती रहें। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। राज्य में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है और खिलाड़ियों को हर संभव मदद दी जा रही है।

खेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकार का फोकस: मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में आधुनिक खेल सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, ताकि राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। सरकार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं चला रही है। सम्मान मिलने के बाद अनु कुमारी ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरकार के सहयोग से खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में खेल का माहौल बेहतर हो रहा है और इससे आने वाले समय में अच्छे खिलाड़ी निकलेंगे।

तेजप्रताप यादव पर अपहरण का आरोप, पटना के श्रीकृष्णापुरी थाने में संतोष रेणु ने दी शिकायत

एजेंसी, पटना

पटना में राजद नेता तेजप्रताप यादव और उनके समर्थकों पर अपहरण कर हत्या की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगा है। यह आरोप संतोष रेणु यादव ने लगाया है। उन्होंने इस संबंध में श्रीकृष्णापुरी (एसकेपुरी) थाना में लिखित शिकायत दी है। एसकेपुरी के थानेदार जितेंद्र राणा ने बताया कि, 'शिकायतकर्ता से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। सनहा दर्ज कर के छानबीन की जा रही है। जिनके दफ्तर पर गया था, उनसे भी संपर्क कर के जानकारी ली गई है।'

कार्ड देने के बहाने बंधक बनाने का आरोप: संतोष रेणु यादव का आरोप है कि 'तेज प्रताप यादव और उनके समर्थकों की नियत अपहरण कर के हत्या करने की थी। 4 फरवरी को कार्ड देने के बहाने मुझे बंधक बनाकर उनके समर्थक 42-A आवास पर ले गए और वहीं रखा था। हत्या की साजिश रची जा रही थी। इसी बीच संयोगवश भूमिहार ब्राह्मण एकता मंच के नेता आशुतोष कुमार पहुंच गए।' संतोष के मुताबिक, बात लीक नहीं हो, 'इस डर से मुझे तेज प्रताप यादव झांसा देने लगे कि मैं तुम्हें MLC बनाना चाहता हूं, तुमको पुनः पार्टी ज्वाईन करने के लिए बुलाया हूं। संतोष का आरोप है कि, 'जबरदस्ती उन्हें पार्टी का टोपी पहनाकर जबरन हंसने पर मजबूर करके फोटो खींच लिया गया। अगर समय पर आशुतोष कुमार का आगमन न होता तो ये सभी लोग उनकी हत्या करवा देते।'

बंधक बनाकर हत्या की धमकी देने का दावा

'जनता ने नकारा तो कोर्ट का इस्तेमाल कर रहे'

एजेंसी, पटना

प्रशांत किशोर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने 2025 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई की और मांग को खारिज कर दिया है। प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसकी मांग को सुप्रीम कोर्ट ने मानने से मना कर दिया है। कोर्ट ने जनसुराज पार्टी को पहले हाईकोर्ट जाने को कहा है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जनता ने आपको नकार दिया तो कोर्ट का इस्तेमाल लोकप्रियता हासिल करने के लिए कर रहे हैं। इसके बाद जनसुराज पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली।

हार के बाद आपको याद आई: SC ने कहा, जब पार्टी चुनाव में अपना सब कुछ हार गई तब वो यहां आ गई। आपको सद्भावना के बारे में भी बताना होगा। उन्होंने कहा कि फ्रीबीज (मुफ्त योजनाओं) के मुद्दे की हम जांच कर रहे हैं। लेकिन यहां ऐसा मामला है, जहां एक पॉलिटिक्ल पार्टी, जो चुनाव में सब कुछ हार गई, हमारे सामने आ गई है। हम राजनीतिक दलों के कहने पर फ्रीबीज के मुद्दे की जांच नहीं करना चाहते हैं। सीजेआई ने साफ कहा कि कोई चाहे तो योजना को चुनौती दे सकता है, लेकिन यहां मुख्य मांग चुनाव को रद्द करने की है।

जनसुराज के वकील चंद्र उदय सिंह ने कहा जो राज्य गरीब हैं और बजट में भी इसका प्रावधान नहीं था, ना ही पॉलिसी मैटर था लेकिन वहां सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार ने चुनाव के दौरान जब आदर्श आचार संहिता लागू थी, तो महिलाओं के खाते में दस दस हजार रुपए डाले. ये चुनावी आचार संहिता का सरासर उल्लंघन है।

सुप्रीम कोर्टकी प्रशांत किशोर को फटकार, पूछा- आपकी पार्टी को कितने वोट मिले

याचिका में कहा- महिलाओं के खातों में पैसे ट्रांसफर कर जीते: याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि इस योजना के तहत चुनाव प्रक्रिया के दौरान 15600 करोड़ रुपए महिला वोटरों के बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा कि आप हाईकोर्ट क्यों नहीं गए? सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका में कहा गया था कि चुनाव के दौरान बिहार सरकार ने गैरकानूनी तरीके अपनाए, इसलिए चुनाव रद्द करके दोबारा करवाए जाएं। याचिका में कहा गया था कि राज्य में जब आदर्श आचार संहिता लागू थी, तब महिला वोटरों को 10 हजार रुपये सीधे ट्रांसफर किए गए। उस वक्त ऐसे कदम को गैरकानूनी माना जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

कुंए में गिरा अबोध मौत

लोकतंत्र की शान सीधी । जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार को एक हृदय विदारक हादसा सामने आया, जहां कुएं में गिरने से 5 वर्षीय मासूम बालक की मौत हो गई। इस दर्दनाक

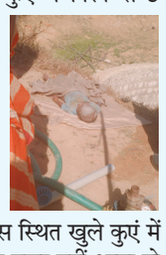

घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है और पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे में परिवार का इकलौता चिराग हमेशा के लिए बुझ गया। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कोड़ार के दीवार्थ नौडिया निवासी 5 वर्षीय दिनेश सिंह पिता कलेश्वर सिंह शुक्रवार दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच घर के पास खेल रहा था। खेलते-खेलते वह अचानक पास स्थित खुले कुएं में गिर गया। काफी देर तक जब बालक घर के आसपास नजर नहीं आया तो उसकी मां शेमकली और दादा इंद्रभान सिंह ने उसकी तलाश शुरू की। इस घटना मे खोजबीन के दौरान कुएं की ओर जाते हुए पैरों के निशान दिखाई दिए, जिससे परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। तत्काल आसपास के लोगों को बुलाया गया और हल्ला-गुहार मचाई गई। ग्रामीणों की मदद से करीब तीन मोटर पंप लगाकर कुएं का पानी कम किया गया। इसके बाद कुएं में उतरकर देखा गया तो बालक का शव पानी में मिला। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी घटना की सूचना मिलते ही कुसमी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को कब्जे में लिया और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू करते हुए पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि मृतक मासूम दिनेश सिंह परिवार का इकलौता बेटा था, जो काफी मन्नतों के बाद परिवार को मिला था। हादसे के समय बालक की मां घर में खाना बना रही थी, जबकि पिता कलेश्वर सिंह जंगल में गाय चराने गए हुए थे। वहीं दादा इंद्रभान सिंह लंबे समय से बीमार बताए जा रहे हैं।

जंगली जानवरों ने मचाया आतंक, घरों में बंधे पालतू पशुओं को को बना रहे निवाला

घटना से ग्रामीणों में दिख रहा दहशत का माहौल

लोकतंत्र की शान सीधी । जिले के आदिवासी अंचल कुसमी अंतर्गत ग्राम पंचायत डेवा में गुरुवार रात उस समय हड़कंप मच गया है, जब एक जंगली जानवर ने घर के पास बंधे बैल पर अचानक हमला कर दिया। यह घटना डेवा निवासी नंदलाल यादव के घर के पास रात करीब 8 बजे के आसपास की बताई जा रही है। पीड़ित पशु पालक के

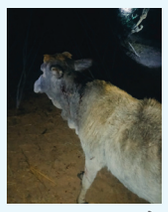

अनुसार बैल पर हमला करने वाला जंगली जानवर बाघ है, बाघ के हमले में बैल गंभीर रूप से घायल हो गया, जिससे ग्रामीणों में भय और चिंता का माहौल बन गया है। मिली जानकारी के अनुसार नंदलाल यादव का बैल रोज की तरह घर के पास बंधा हुआ था तभी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर से आए बाघ ने बैल पर झपट्टा मार दिया। बैल की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और शोर मचाया, जिसके बाद वह जंगल की ओर भाग गया। हालांकि तब तक बैल को गंभीर चोटें लग चुकी थीं। वही घटना की सूचना तत्काल ग्रामीणों द्वारा वन विभाग को दी गई। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। घायल बैल का प्राथमिक उपचार कराया गया है, वहीं बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है। वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को सतर्क रहने और रात के समय अकेले बाहर न निकलने की अपील की गई है। घर के बेहद नजदीक इस तरह की घटना होने से डेवा सहित आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है।वही ग्रामीणों का कहना है कि पहले भी इस क्षेत्र में जंगली जानवरों की हलचल देखी गई है, लेकिन आबादी के बीच इस तरह का हमला पहली बार हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि बाघ की लगातार निगरानी की जाए और गांव की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। वहीं वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह इलाका जंगल से सटा हुआ है, ऐसे में वन्यजीवों की आवाजाही स्वाभाविक है। विभाग द्वारा कैमरा ट्रैप लगाने और गश्त बढ़ाने की तैयारी की जा रही है, ताकि किसी बड़ी घटना को रोका जा सके। फिलहाल ग्रामीणों से सतर्कता बरतने और मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर रखने की अपील की गई है।

यूपी के गांव हो रहे हाईटेक, प्लास्टिक कचरे से बनाई 75 किलोमीटर लंबी सड़क

लोकतंत्र की शान : लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गांव अब स्वच्छता और नवाचार की नई पहचान गढ़ रहे हैं। प्लास्टिक कचरे से सड़क निर्माण, घर-घर कूड़ा संग्रहण कर उससे खाद निर्माण और आय सृजन के अभिनव प्रयोगों ने प्रदेश के ग्रामीण परिदृश्य को हाईटेक बना दिया है। राजधानी लखनऊ समेत रामपुर, अमेठी, ललितपुर और एटा में प्लास्टिक कचरे से अब तक 75 किलोमीटर लंबी सड़कें तैयार की जा चुकी हैं, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास का नया मॉडल पेश कर रही हैं।

'वेस्ट टू वेल्थ' मॉडल पर काम–पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में वेस्ट मैनेजमेंट का मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इसके तहत ग्राम पंचायतों में घर-घर से कूड़ा संग्रहण शुरू कर वर्मी खाद का उत्पादन किया जा रहा है। इस पहल से अब तक 3 करोड़ रुपये से अधिक की आय सृजित हो चुकी है। वहीं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों से 29 लाख रुपये की अतिरिक्त कमाई की गई है। इस योजना के तहत पंचायतीराज विभाग प्रदेश में 'वेस्ट टू वेल्थ' मॉडल पर काम कर रहा है।

प्रदेश के हर गांव में किया जाएगा अभिनव प्रयोग–पंचायती राज विभाग द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छ गांव महाभियान के तहत कूड़े को संसाधन में बदला जा रहा है। प्लास्टिक कचरे का सदुपयोग कर सड़क निर्माण, जैविक कचरे से खाद उत्पादन और पंचायतों की आय बढ़ाने के ये प्रयोग प्रदेश के हर गांव को स्वच्छ, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। इस योजना के जरिए प्रदेश के हर गांव में अभिनव प्रयोग किए जाएंगे।

जिला टास्क फोर्स की कार्रवाई से दहशत में खनिज माफिया

» रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण पर संयुक्त छापे, कई वाहन व मशीनरी जब्त

लोकतंत्र की शान

सीधी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिला टास्क फोर्स बैठक में दिए गए निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, वनमण्डलाधिकारी प्रीति अहिरवार के निर्देशन तथा उपखण्ड मजिस्ट्रेट सिहावल प्रिया पाठक, उपखण्ड मजिस्ट्रेट कुसमी विकाश कुमार आनंद, उपखण्ड मजिस्ट्रेट चुरहट शैलेश द्विवेदी एवं जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में विभिन्न संयुक्त जांच दल सक्रिय होकर जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में जांच हेतु रवाना हुए। दलों द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध व्यापक कार्रवाई की गई। प्रभारी खनि निरीक्षक देवेंद्र महोबे के नेतृत्व में सायं लगभग 6 बजे ग्राम शंकरपुर, तहसील कुसमी में रेत के अवैध भंडारण की शिकायत पर निरीक्षण किया गया। जांच में खसरा क्रमांक 61/2, 65 एवं 15 में अवैध रेत भंडारित पाया गया। मौके पर प्राप्त जानकारी अनुसार गोपद नदी के शंकरपुर घाट से ट्रैक्टर-ट्रॉली द्वारा अवैध उत्खनन कर रेत लाकर यहां भंडारण किया जाता था तथा रात्रि में जेसीबी से हाईवा में लोड कर विक्रय किया जाता था। प्रकरण में मध्यप्रदेश अवैध उत्खनन, भंडारण तथा परिवहन नियम-2022 के तहत कार्रवाई की गई। इसी प्रकार रात्रि लगभग 11:30 बजे तहसीलदार बहरी इंद्रभान सिंह एवं प्रभारी खनि निरीक्षक शिशिर यादव व देवेंद्र महोबे के नेतृत्व में ग्राम नकझर, तहसील बहरी स्थित सोन नदी घड़ियाल अभ्यारण्य क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की गई। इसमें 03 हाईवा एमपी 53 एचए 2315, एमपी 53एचए 2254, यूपी 64सीटी 2083) तथा 01 पोकलेन मशीन(पिन–पीयूएनजेएस 14CC01782587) अवैध उत्खनन/परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर जब्त कर थाना बहरी में सुरक्षार्थ खड़ी कराई गई। संबंधित मालिकों के विरुद्ध खनिज एवं वन अधिनियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। उपखण्ड मजिस्ट्रेट कुसमी विकास कुमार आनंद के नेतृत्व में राजस्व दल द्वारा ग्राम गोतरा, तहसील कुसमी से अवैध परिवहन करते पाए गए 02 ओवरलोडेड हाईवा एमपी 17 जेडई 2737 एवं एमपी 17 जेड जी 9208) जब्त कर टिकरी चौकी (मड़वास थाना) में खड़े कराए गए। संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया। उपवनमण्डल अधिकारी संदीप गौतम के नेतृत्व में रेंज ऑफिसर सतीश चंद्र मिश्रा द्वारा ग्राम चमराडोल एवं खड़ौरा क्षेत्र में जांच के दौरान अवैध रेत परिवहन में संलिप्त 02 ट्रैक्टर जब्त कर वन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर द्वारा पूरी रात्रि चारों दलों से सतत संपर्क बनाए रखते हुए मार्गदर्शन दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप जिले के विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ आधा दर्जन से अधिक वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई की गई। सभी जब्त वाहनों के चालक, मालिक एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम-2022, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम-1972, भारतीय वन अधिनियम-1927, मोटर व्हीकल अधिनियम-1988 एवं भारतीय न्याय संहिता-2023 के तहत प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्रवाई हेतु कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध आगे भी सख्त एवं सतत कार्रवाई जारी रहेगी। उक्त कार्रवाई में नंदी लाल रावत, शिव शंकर सिंह चौहान, तेज बहादुर सिंह चौहान, अनिल पाठक, अश्वनी तिवारी एवं शंकर दयाल यादव की सराहनीय भूमिका रही।

वार्षिकोत्सव एवं पर्यावरण शिक्षण कार्यशाला का भव्य आयोजन

लोकतंत्र की शान

सीधी मध्यप्रदेश। शासकीय पंडित दीनदयाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रजडिहा (जिला–सीधी) में वार्षिकोत्सव समारोह एवं पर्यावरण शिक्षण पर आधारित कार्यशाला का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, समाज और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीवेंद्र सिंह 'लल्लू' (वरिष्ठ संविदाकार एवं समाजसेवी) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामभुवन शुक्ल (वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में शिव कुमार गुप्ता (प्राचार्य, शा.उ.मा.वि. कुचवाही), कुंज बिहारी शर्मा (प्राचार्य, शा.उ.मा.वि. सपही) तथा अनुज कुमार तिवारी (प्राचार्य, शासकीय हाई स्कूल खैरा) उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला इको क्लब नोडल अधिकारी राकेश रतन पांडे (उच्च माध्यमिक शिक्षक, शा.उ.मा.वि. टिकरी) के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा रॉ मटेरियल से निर्मित उपयोगी वस्तुओं की कार्यशाला का अवलोकन किया गया, जिसने पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्चक्रण का सशक्त संदेश दिया। विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार तिवारी ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिससे आयोजन की गरिमा और उत्साह और बढ़ गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में रामभुवन शुक्ल ने तुलसीदास जी की पंक्ति "विद्या बिनु विवेक न होई" का विस्तार से भावार्थ समझाते हुए कहा कि सच्ची शिक्षा वही है जो विवेक, संस्कार और समाजोपयोगिता से जुड़ी हो। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन विद्यालय के इको क्लब प्रभारी विद्याकांत द्विवेदी (वरिष्ठ अध्यापक) द्वारा कुशलता से किया गया। समग्र रूप से यह आयोजन शिक्षा, संस्कृति और पर्यावरण चेतना को समर्पित एक प्रेरणादायी और यादगार कार्यक्रम रहा।

खनिज विभाग की आधी रात में छापामार कार्यवाही में जमुवानी में लेटराइट खनिज का अवैध खनन और परिवहन में संलिप्त हाइवा जब्त

लोकतंत्र कि शान हसनरसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा जिला टास्क फोर्स की बैठक में अवैध खनिज परिवहन एवं उत्खनन के विरुद्ध कडी कार्यवाही करने के दिए गये निर्देश के पालन में खनिज अमले द्वारा जिले के अलग-अलग स्थानों पर योजना बनाकर कार्यवाहियां की जा रही है। इसी क्रम में तहसील विजयराघवगढ़ के ग्राम जमुवानी में लेटराईट खनिज का अवैध खनन कर परिवहन करते पाये जाने पर खनिज टीम द्वारा हाईवा जब्त किया गया । ज्ञात हो कि कलेक्टर श्री तिवारी ने खनिज अमले को योजना बनाकर रात्रिकालीन कार्यवाही हेतु निर्देशित किया था। खनिज अमले ने बुधवार की रात 10 बजे से गुरुवार की सुबह 4बजे तक जिले कि विभिन्न तहसीलों में वाहनों की सघन जांच की । जिसमें कटनी से बड़बारा - विलायतकला मार्ग पर खनिज परिवहन करने वाले वाहनों में रायल्टी दस्तावेजों की जांच की गई। इसके बाद बड़वारा रोहनिया-बसाडी-बरही मार्ग मे जांच की गई इसके जांच उपरांत बरही विजयराघवगढ़ से चरी मोड़ भटूरा के आस- पास देर रात्रि 2 बजे जमुवानी लेटेराइट की खुदाई करके परिवहन करते एक हाइवा को जब्त कर पुलिस थाना मे खड़ा कराया गया। आधीरात में अचानक की गई कार्यवाही से हाइवा चालक गाड़ी छोड़कर भाग गया स्थानीय खदान संचालकों की सहायता से वाहन को सुरक्षार्थ पुलिस थाना कैमोर की सुपुर्दगी में सौंपा गया। जिले में अलग-अलग मुख्य मार्गो पर चेकिंग अभिमान से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा । कार्यवाही में मुख्य रूप से रत्नेश दीक्षित उपसंचालक खनिज, सहायक खनिज अधिकारी पवन कुशवाहा , खनिज निरीक्षक कमलकांत परस्ते, सिपाही ज्ञानेन्द्र सिंह, सुशील सिंह और रमाकान्त गर्ग की सराहनीय भूमिका रखी। खनिज एवं पुलिस विभाग द्वारा जिले में अवैध गतिविधियों पर लगातार कार्यवाहियों को अंजाम दिया जा रहा है।

पहाड़ी पर रहस्यमई जीवाश्म मिलने से मचा हड़कंप

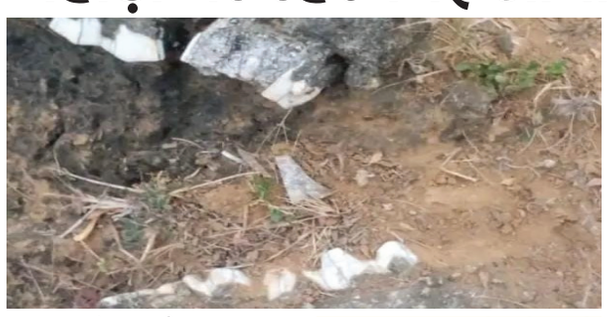

लोकतंत्र की शान

» सूचना के बाद भी नहीं पहुंची पुरातत्व विभाग की टीम

» ग्रामीणों ने दी थी स्थानीय प्रशासन को जानकारी

सीधी । पहाड़ में रहस्यमई जीवाश्म मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है, स्थानीय लोगों द्वारा जीवाश्म मिलने की सूचना स्थानीय प्रशासन को दी गई है, प्रशासन द्वारा जीवाश्म के परीक्षण को लेकर पुरातत्व विभाग को पत्र लिखकर सूचना दी है लेकिन अभी तक पुरातत्त्व विभाग की टीम इसका परीक्षण करने नहीं पहुंची है। गौरतलब हो कि जिले के ग्राम कोरौली कला के अतरौला पहाड़ी पर संदिग्ध जीवाश्म मिला है। ग्रामीणों के अनुसार यहां 11 से 12 मीटर लंबी विशाल हड्डियां देखी गई हैं। इस खोज से इलाके में उत्सुकता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग और सिहावल एसडीएम को इसकी सूचना दी थी। बताया गया है कि जहां पर यह जीवाश्म देखा गया है वहां कुछ बच्चों ने हड्डियों को इधर-उधर फेंकना शुरू कर दिया, जिससे ऐतिहासिक साक्ष्यों को नुकसान पहुंचने का खतरा पैदा हो गया। स्थानीय ग्रामीण नारायण केवट के अनुसार जब उनके द्वारा ग्राम पंचायत के सरपंच को सूचना दी गई और उनके द्वारा कोई रुचि नहीं दिखाई गई तो वह स्वयं पहल करते हुए बिखरी हड्डियों को एकत्र कर एक स्थान पर सुरक्षित रखा। ग्राम पंचायत से जुड़े राम सुमिरन पटेल ने बताया कि इस घटना को करीब पांच दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक किसी भी विभाग का कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा है। हड्डियां पहाड़ी क्षेत्र में चारों ओर बिखरी पड़ी हैं, जिससे इनके नष्ट होने की आशंका बढ़ रही है।

जानकारी के बाद भी नहीं पहुंची प्रशासनिक टीम

सिहावल एसडीएम और पुरातत्व विभाग की अधिकारी प्रिया पाठक ने बताया कि उन्हें इस संबंध में जानकारी मिली है। उन्होंने पुरातत्व विभाग से संपर्क करने का प्रयास किया है, लेकिन अभी तक कोई विशेषज्ञ टीम मौके पर नहीं पहुंची है। वन विभाग को भी स्थल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सूचित किया गया है। मजे की बात यह है कि एसडीएम द्वारा उसकी सुरक्षा को लेकर वन विभाग को निर्देशित तो कर दिया गया है लेकिन वह स्वयं मौके पर निरीक्षण करने नहीं पहुंची और न ही राजस्व अमले की कोई टीम मौके पर पहुंची। जिससे यह साफ जाहिर हो रहा है कि खण्ड प्रशासन गंभीर नहीं हैं।

नहीं पहुंची पुरातत्व विभाग की टीम

करौली कला के अतरैला पहाड़ी में संदिग्ध जीवाश्म मिलने की सूचना स्थानीय लोगों द्वारा खण्ड प्रशासन सहित ग्राम पंचायत सरपंच को दी गई थी, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार पांच दिन पूर्व यह सूचना उनके द्वारा दी गई थी, वाबजूद इसके आज तक पुरातत्त्व विभाग की कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची है। ऐसे में खतरा यह बढ़ रहा है कि जीवाश्म मिलने की खबर चारों तरफ फैल गई है और इसके सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम समय पर नहीं किए गए तो उसके साथ छेड़छाड़ भी हो सकती हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इस ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल इसकी सुरक्षा को लेकर मांग उठाई है।

सिंगापुर वैली थीम कार्निवलमेला वह एशियाई जलपरी कटनी में 5 फरवरी 2026 से शुभारंभ

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी: बिगत 5 फरवरी 2026 से सिंगापुर बैली थीम कार्निवाल मेला का शुभारंभ किया गया यह मेलामाधव नगर गेट के पास जिओपेट्रोल! पंप यह बाजू सेशुभारंभ हो गया है इस मेल में शॉपिंग बाजार भूत बंग चटपटे व्यंजन गगन चुम्मे झुले के अलावा कटनी शहर में पहली बार एशियाई जलपरी भी दिखाए जाएंगे इस मेले के ओनर राहुल जी ने बताया कि मेले में नए लुक के साथ पेश किया गया है अभी तक रीवा सतना सीधी सिंगरौली छतरपुर दमोह शहडोल इत्यादि विभिन्न जिलों में अपार सफलता के बाद कटनी शहर में जिसमें एयरलाइंस वैली थम है ड्रैगन डोन है सबसे पहली बात मध्यपदेश में पहली बार एशिया जलपरी आ रही है अन्यप्रकार के बच्चों के मनोरंजन के लिए मेला माउथपानी देखने को मिलेंगे इसका आनंदलेने के लिए मेले में आए और आनंद लें

गणेश स्कूल में करियर काउंसलिंग आयोजित

» सपनों को पहचानें, सही मार्ग चुनें और भविष्य को संवारें : अरुण ओझा

लोकतंत्र की शान

सीधी । विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति सतत प्रयासरत शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान श्री गणेश सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पड़रा में गुरुवार को कक्षा बारह के विद्यार्थियों के लिए करियर मार्गदर्शन एवं विषय चयन कार्यशाला का प्रभावशाली आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आत्म मूल्यांकन के माध्यम से सही विषय एवं उपयुक्त करियर चयन हेतु जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक निदेशक अरुण ओझा ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में विद्यार्थियों को जीवन की दिशा तय करने के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में अद्वितीय प्रतिभा निहित होती है, आवश्यकता है उसे पहचानने, संवारने और सही दिशा देने की। उन्होंने स्पष्ट किया कि करियर केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि आत्मसंतोष, सम्मान और समाज के प्रति दायित्व निभाने का माध्यम है। श्री ओझा ने विद्यार्थियों को बताया कि वर्तमान युग अवसरों का स्वर्णकाल है, जिसमें विज्ञान, वाणिज्य और कला के सभी क्षेत्रों में अपार संभावनाएँ उपलब्ध हैं। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई, ग्राफिक डिजाइनिंग, मीडिया एवं पत्रकारिता, सामाजिक सेवाएँ, सिविल सेवाएँ और उद्यमिता जैसे नवीन एवं उभरते क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अपनी रुचि, क्षमता और लक्ष्य के अनुरूप विषय चयन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दूसरों की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं, बल्कि अपने अंतर्मन की आवाज सुनकर लिया गया निर्णय ही स्थायी सफलता दिलाता है। मार्गदर्शन सत्र के दौरान विद्यार्थियों के साथ सार्थक संवाद हुआ। श्री ओझा ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान कर करियर से जुड़ी अनेक भ्रांतियों को दूर किया। उनके व्यवहारिक अनुभवों एवं उदाहरणों से विद्यार्थियों में उत्साह, स्पष्टता और आत्मविश्वास का संचार हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता का मूलमंत्र सही समय पर लिया गया सही निर्णय है और विषय चयन उसी दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, निरंतर परिश्रम और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ समस्त शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण पूर्णतः संवादात्मक एवं प्रेरणादायक रहा। समापन अवसर पर प्राचार्य द्वारा अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

ध्वनि प्रदूषण कर रहे डीजे पर कुठला पुलिस की कड़ी कार्रवाई, डीजे सिस्टम जब्त

लोकतंत्र की शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा (भा0पु0से0) के द्वारा समाज को भय मुक्त एवं निर्बाध जीवन यापन का वातावरण बनाएँ रखने हेतु निर्देशित किया गया है । निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में कुठला थाना प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र मिश्र के द्वारा अत्यधिक तेज आवाज में डीजे बजाने पर डीजे को जप्त किया गया है । थाना कुठला अन्तर्गत साई मन्दिर के रहवासियों व आमजन के माध्यम से तेज आवाज में डीजे बजने से असुविधा होने की सूचना प्राप्त होने पर जलसा मैरिज गार्डन के बाहर साऊण्ड बाक्स आपरेटर द्वारा साऊण्ड बाक्स को तेज आवाज मे बजाते पाये जाने पर तेजस्वी गुप्ता पिता स्व0 बालचन्द्र गुप्ता उम्र 23 साल निवासी दुर्गा चौक बड़ी खिरहनी थाना एन के जे जिला कटनी के विरुद्ध मध्य प्रदेश कोलाहल अधिनियम की धारा 15 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया तथा एक नीले रंग का लोडर क्रमांक MP21G2484, चार टाप बाक्स, चार बैस बाक्स, एम्पलीफायर आदि उपकरण जप्त किये गये है । थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक राजेन्द्र मिश्रा द्वारा आमजन से अपील की गई है कि शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें । इसी माह में विद्यार्थियों की वोर्ड एवं अन्य परीक्षाओं का आयोजन होना है जिससे विद्यार्थियों की तैयारी में व्यवधान उत्पन्न न हो और उनके भविष्य पर बुरा असर न पड़े इसलिए शांतपूर्ण वातावरण की विशेष आवश्यकता है। अतः किसी भी प्रकार के कार्यक्रम, धार्मिक आयोजन, शादी समारोह या अन्य अवसरों पर लाउडस्पीकर / डीजे का उपयोग केवल निर्धारित समय एवं सक्षम प्राधिकारी की अनुमति प्राप्त कर ही करें । निर्धारित समय सीमा के बाद तेज ध्वनि में संगीत बजाना एवं ध्वनि प्रदूषण फैलाना कानूनन दंडनीय अपराध है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

जप्ती – एक लोडर वाहन नीले रंग का जिसका नम्बर MP21G2484 चालू हालत मे, चार टाप बाक्स, चार बैस बाक्स, लाईट, जनरेटर, एम्पलीफायर, मिक्सर

विशेष भूमिका:- सम्पूर्ण कार्यवाही निरीक्षक राजेन्द्र मिश्र के नेतृत्व में की गई जिसमें सहायक उप निरीक्षक तीरथ तेकाम, आरक्षक दुर्गेश सिंह एवं अन्य स्टॉफ की भूमिका सराहनीय रही है ।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल प्रदेश के 14 जिलों में तापमान 5° से नीचे

जयपुर/लखनऊ/पटना/शिमला। हिमाचल प्रदेश के 14 शहरों में रात का तापमान 5° सेल्सियस या इससे नीचे रिकॉर्ड किया गया है। मैदानी इलाकों में घने कोहरे की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा और मंडी के निचले इलाकों में कोहरा रहेगा। वहीं, उत्तर प्रदेश के 11 और मध्य प्रदेश के 30 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। एमपी में बीते 24 घंटे में ग्वालियर समेत 8 शहरों में पारा 10° से नीचे रहा। उत्तराखंड में भी घने कोहरे की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक पहाड़ी राज्यों में 9 फरवरी से बर्फबारी हो सकती है। उत्तराखंड में 3000 मीटर या उससे ज्यादा ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में बारिश या बर्फबारी के आसार हैं। हिमाचल प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने से 10 और 11 फरवरी को ज्यादातर हिस्सों में अच्छी बारिश-बर्फबारी होगी।

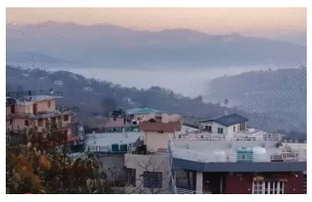

दिल्ली-सड़क पर खुदे गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत

नई दिल्ली। वेस्ट दिल्ली के जनकपुरी इलाके में दिल्ली जल बोर्ड की कंस्ट्रक्शन साइट पर खोदे गए 15 फीट गहरे गड्ढे में गिरने से एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। हादसा गुरुवार देर रात को हुआ। मृतक की पहचान कैलाशपुरी निवासी कमल भयानी (25) के रूप में हुई है, जो एक प्राइवेट बैंक के कॉल सेंटर में काम करता था। सुबह करीब 8 बजे PCR कॉल मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक गड्ढा DJB ने कंस्ट्रक्शन के लिए खोदा था और सड़क कुछ दिनों से बंद थी। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। कैबिनेट मंत्री परवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के तीन अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है। इनमें एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर शामिल हैं। साथ ही प्रोजेक्ट कंपनी पर कार्रवाई होगी और DJB पीड़ित परिवार को मुआवजा देगा। मृतक के जुड़वां भाई करण ने बताया- हम तीन भाई हैं और हम दोनों जुड़वां हैं। हम कल रात से उसे ढूंढ रहे थे, अलग-अलग इलाकों में घूम रहे थे। हम 7-8 पुलिस स्टेशन गए, लेकिन किसी ने हमारी मदद नहीं की और शिकायत भी दर्ज नहीं की। सुबह मैंने उसको फोन किया तो पुलिस ने फोन उठाकर हमें बताया कि वह मरा हुआ मिला है। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने कमल की बॉडी और मोटरसाइकिल को गड्ढे में पड़ा देखा। कमल के दोस्त मयंक ने कहा कि कमल से आखिरी बात रात 11.30 बजे हुई थी। उसने कहा था कि वह डिस्ट्रिक्ट सेंटर के पास है और 15 मिनट में घर पहुंच जाएगा। आधे घंटे तक न आने पर परिजन उसे खोजने निकले और जनकपुरी पुलिस स्टेशन भी पहुंचे। पुलिस ने फोन ट्रेस किया लेकिन जो लोकेशन मिली वहां पर कमल नहीं था। मयंक ने आरोप लगाया कि पुलिस ने रात में शिकायत दर्ज करने या खोज शुरू करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने कहा कि हमारी शिकायत सुबह 11 बजे से पहले दर्ज नहीं की जाएगी। अगर समय पर तलाश होती तो जान बच सकती थी। मयंक ने आशंका जताई कि कमल की हत्या कर शव गड्ढे में फेंका गया।

नारेबाजी के बाद लोकसभा सोमवार तक स्थगित

नई दिल्ली। संसद में शुक्रवार को भी लोकसभा में हंगामा और नारेबाजी हुई। पहली बार 3 मिनट और दूसरी बार 7 मिनट तक ही कार्यवाही चल सकी। इसके बाद लोकसभा 9 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा को भी सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा- उन्हें कल सबने बालक कहा। आज PM की पाठशाला थी, जिसमें बच्चों को कामयाब होना बताया गया। अगर राहुल भी पीएम की पाठशाला में चले जाएं तो जिंदगी में कामयाब हो जाएंगे। गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास कर दिया गया। लोकसभा में 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है। वहीं राज्यसभा में पीएम नरेंद्र मोदी के भाषण के बाद प्रस्ताव पास हुआ था।

पंजाब में आप नेता की गोली मारकर हत्या

जालंधर। पंजाब के जालंधर में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता सतिंदर पाल सिंह जोगी उर्फ लक्की ओबरॉय की 6 फरवरी की सुबह सरेआम गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। वे 43 साल के थे। स्कूटी पर आए दो युवकों ने उन्हें 6 गोलियां मारीं। इनमें से 5 गोलियां ओबरॉय के सीने और एक सिर में लगी। लक्की ओबरॉय जालंधर के पॉश एरिया, मॉडल टाउन इलाके में गुरुद्वारे में माथा टेकने आए थे। जैसे ही वे गुरुद्वारे से निकलकर अपनी थार गाड़ी में बैठने लगे तो बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोलियां चलते हुए का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। ओबरॉय का परिवार उन्हें गंभीर हालत में मॉडल टाउन के प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचा। वहां डॉक्टरों के मृत घोषित कर देने पर परिवार को भरोसा नहीं हुआ और ओबरॉय को श्रीराम अस्पताल ले जाया गया। हालांकि वहां भी उन्हें मृत बताया गया। ओबरॉय आम आदमी पार्टी से जालंधर कैंट में वार्ड-35 के हलका इंचार्ज थे। उनका 11 दिन पहले ही बर्थडे था। जालंधर पुलिस कमिश्नरेट के एडीसीपी जयंत पुरी ने बताया कि घटना के बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया। हमलावरों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस को इसमें टारगेट किलिंग का शक है। गैंगस्टर जोगा फोलड़ीवाल ने ओबरॉय के मर्डर की जिम्मेदारी ली है। उसने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी- यह हमारे भाइयों को नुकसान पहुंचा रहा था। उसका जवाब आज हमने दे दिया है। खालसा कॉलेज की प्रधानगी को लेकर यह सब कुछ हुआ है।

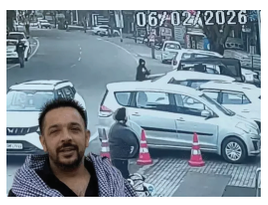

एअर इंडिया के 191,इंडिगो के 148 विमानों में बार-बार खराबी

नई दिल्ली। हवाई यात्रा की सुरक्षा सवालों में है। जनवरी 2025 से देश की छह प्रमुख एयरलाइंस के कुल 754 विमानों की तकनीकी जांच की गई। इनमें से 377 विमानों में बार-बार आने वाली खराबियों की पहचान हुई। यानी एक ही खराबी बार-बार सामने आई, भले ही उसे पहले ठीक कर दिया गया था। एअर इंडिया ग्रुप के 267 विमानों में से 191 (72%) में बार-बार तकनीकी खराबी पाई गई। इसके बाद इंडिगो का नंबर था। इसके 405 विमानों की जांच की गई। उनमें से 148 में इस साल 3 फरवरी तक रिपीटेटिव डिफेक्ट (एक ही खराबी बार-बार) पाई गई। लोकसभा में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया कि DGCA ने पिछले साल सुरक्षा को लेकर बड़े पैमाने पर जांच की। इस दौरान 3890 सर्विलांस इंस्पेक्शन, 56 ऑडिट, 492 रैंप चेक और 84 विदेशी विमानों की जांच की गई। 874 स्पॉट चेक और 550 नाइट सर्विलांस भी किए गए। एअर इंडिया के एक प्रवक्ता ने सरकारी डेटा जारी के बाद कहा, 'हमने बहुत ज्यादा सावधानी बरतते हुए अपने पूरे फ्लीट में चेक किए हैं, इसलिए संख्या ज्यादा है। एयरलाइन के एक सीनियर एग्जीक्यूटिव ने कहा कि प्लेन में अलग-अलग तरह के इक्विपमेंट चेक किए जाते हैं। इन्हें इक्विपमेंट की प्रायोरिटी या अर्जेंसी के आधार पर A, B, C और D सेगमेंट में बांटा गया है।

मणिपुर में नए डिप्टी सीएम के विरोध में हिंसा भड़की

एजेंसी, इंफाल

- प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को बैरक में धकेलने की कोशिश की, टायर जलाए, पत्थरबाजी की

मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में गुरुवार शाम हिंसा भड़क गई। नए उपमुख्यमंत्रियों नेम्चा किपोन और लोसी दिखो के शपथ ग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हो गया। जिले के तुइबोंग मेन मार्केट इलाके में सैकड़ों युवा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को वापस उनकी बैरक में धकेलने की कोशिश की। जब सुरक्षाबलों ने बात मानने से इनकार कर दिया तो पत्थरबाजी शुरू हो गई। कुछ लोगों ने सड़क के बीच में टायर जला दिए। आदिवासी संगठन जॉइंट फोरम ऑफ सेवन ने कुकी-बहुल चुराचांदपुर में शुक्रवार सुबह 6 से 12 घंटे का बंद बुलाया है। वहीं, कुछ संगठनों ने नेम्चा किपोन को मारने वाले को 20 लाख और विधायकों एलएम खाउते, एन सेनाते को मारने वाले को 10-10 लाख इनाम देने का ऐलान किया है। कुकी वीमेंस ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन ने मणिपुर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कुकी समुदाय के कुछ विधायकों ने सरकार को समर्थन दिया है जिसका संगठन विरोध कर रहा है। नई सरकार में नेम्चा किपोन के डिप्टी सीएम बनने पर कुकी समुदाय बंट गया है। एक संगठन ने विश्वासघात व मैतेई से गठबंधन का आरोप लगाकर सरकार में शामिल तीनों कुकी विधायकों के सामाजिक बहिष्कार की घोषणा की है। तीन कुकी जो-मी विधायक मणिपुर सरकार में शामिल हैं, जिसमें नेम्चा ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है और अन्य दो, एलएम खाउते और नगुसंगलुर, जल्द ही शपथ लेने वाले हैं। इसका पता चलने के बाद प्रदर्शनकारियों में गुस्सा और भड़क गया। सूत्रों के मुताबिक, हिंसा में कुकी जो-मी लोगों को बहुत नुकसान हुआ है। इंफाल में दिनदहाड़े सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी गई और उनकी लाखों की संपत्ति जला दी। उनके चर्चों को भी आग लगा दी गई।

असम राइफल्स को हालात संभालने की जिम्मेदारी: असम राइफल्स को स्थिति को शांत करने के लिए तैनात किया गया था, लेकिन शुरुआती प्रयासों में बहुत कम सफलता मिली। अंत में सुरक्षाबलों को अस्थायी रूप से पीछे हटना पड़ा। इसके बाद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे गए। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक हिंसा अभी भी जारी है। क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़, 3 नक्सली ढेर

- गढ़चिरौली में शहीद जवान को गार्ड ऑफ ऑनर, परिजनों ने दी अंतिम विदाई

एजेंसी, जगदलपुर

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में 3 नक्सली ढेर हुए। वहीं महाराष्ट्र का एक जवान शहीद हो गया, 1 अन्य जवान घायल है। 6 फरवरी की सुबह अबूझमाड़ के जंगल में दोनों ओर से हुई गोलीबारी में महाराष्ट्र के C-60 कमांडोज ने 3 नक्सलियों को मार गिराया। इस दौरान नक्सलियों की ओर से फायरिंग में गोली कॉन्स्टेबल दीपक चिन्ना मदावी (38 साल) को जा लगी। उन्हें तुरंत एयरलिफ्ट कर भामरागड़ के अस्पताल लाया गया। जहां ऑपरेशन के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मामला महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के भामरागढ़ तहसील क्षेत्र का है। शहीद जवान दीपक को गार्ड ऑफ ऑनर देकर शव गृहग्राम रवाना किया गया है।

दूसरा जवान घायल, स्थिति खतरे से बाहर: इस मुठभेड़ में एक और जवान किष्ट्यापल्ली के रहने वाले जोगा मदवी को भी रात में एक गोली लगी थी। उन्हें भी एयरलिफ्ट करके भामरागड़ लाया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर है।

3 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद: मुठभेड़ इलाके से तीन माओवादियों के शव (2 पुरुष और एक महिला) बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही AK-47 और एक SLR राइफल बरामद की गई है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। मुठभेड़ की पुष्टि महाराष्ट्र पुलिस ने की है। इलाके में ऑपरेशन और तलाशी अभियान जारी है।

दिन पहले छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर एनकाउंटर: एक दिन पहले 5 फरवरी को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सली कमांडर उधम सिंह का एनकाउंटर किया था।

इस वर्ष 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आयोग की बड़ी तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों को स्वतंत्र और शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी उद्देश्य से नई दिल्ली स्थित भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में आयोजित दो दिवसीय 'केंद्रीय पर्यवेक्षक ब्रीफिंग' का शुक्रवार को समापन हुआ। इसमें देशभर से आए कुल 1,444 अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के अंतिम दिन आज मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ पर्यवेक्षकों के तीसरे बैच को संबोधित करते हुए कहा, "भारत में चुनाव पूरी तरह से कानून और आयोग के निर्देशों के अनुसार होते हैं। इसलिए नियमों से किसी भी तरह के विचलन की कोई गुंजाइश नहीं है। पर्यवेक्षक सुनिश्चित करें कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता का उच्चतम स्तर बना रहे।"

मेघालय में अवैध कोयला खदान में धमाका, 19 की मौत कई मजदूरों के फंसे होने की आशंका, दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, शिलांग

मेघालय के ईस्ट जैंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को अवैध कोयला खदान में धमाका हो गया। हादसे में कम से कम 19 मजदूरों की मौत हो गई। 8 मजदूर घायल हैं। कई मजदूरों के अब भी खदान में फंसे होने की आशंका है। यह जानकारी राज्य की पुलिस महानिदेशक आई. नोंग्रांग ने दी। धमाके के सिलसिले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। NDRF, SDRF और सर्च एंड रेस्क्यू टीमें अभी मौके पर हैं। बचाव दल राहत और खोज अभियान में लगे हुए हैं। यह हादसा सुबह थांग्स्कु इलाके में हुआ। पुलिस महानिदेशक ने कहा,अब तक 18 शव बरामद किए जा चुके हैं। धमाके के समय खदान के अंदर कितने मजदूर थे, यह अभी साफ नहीं है। और लोगों के फंसे होने की आशंका है। धमाके का कारण के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच की जा रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने हादसे पर दुख जताते हुए पीएम नेशनल रिलीफ फंड से हर मृतक के परिवार को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है।

एक घायल शिलांग रैफर: ईस्ट जैंतिया हिल्स के SP विकाश कुमार ने बताया कि एक घायल व्यक्ति को पहले सुतंगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए शिलांग के अस्पताल में रैफर किया गया। पुलिस के मुताबिक विस्फोट कोयला खनन के दौरान हुआ और यह खदान अवैध रूप से चल रही थी। रैट-होल माइनिंग में बहुत संकरी सुरंगें खोदी जाती हैं, जिनकी ऊंचाई आमतौर पर 3-4 फीट होती है। मजदूर इन्हीं सुरंगों में घुसकर कोयला निकालते हैं। ये सुरंगें इतनी छोटी होती हैं कि उनमें एक समय में केवल एक व्यक्ति ही जा सकता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने साल 2014 में मेघालय में रैट-होल कोयला खनन और अन्य अवैज्ञानिक खनन तरीकों पर रोक लगा दी थी।

अयोध्या में 'रन फॉर राम' का चौथा संस्करण 22 फरवरी को, तेज हुईं मैराथन की तैयारियां

एजेंसी, नई दिल्ली

आस्था, संस्कृति और विरासत से जुड़ी पावन नगरी अयोध्या 22 फरवरी को 'रन फॉर राम' के चौथे संस्करण की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। राम कथा पार्क में होने वाले इस भव्य मैराथन का आयोजन क्रीड़ा भारती की ओर से किया जा रहा है। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मार्गदर्शन में स्थापित एक प्रमुख खेल संगठन है। यह आयोजन आध्यात्मिकता, शारीरिक फिटनेस और सामाजिक सहभागिता का अनूठा संगम प्रस्तुत करेगा। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन, अनुशासन और मूल्यों से प्रेरित 'रन फॉर राम' अब केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि एक उद्देश्यपूर्ण जनआंदोलन बन चुका है। अयोध्या की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पृष्ठभूमि में आयोजित यह मैराथन प्राचीन 14-कोसी परिक्रमा से प्रेरणा लेती है, जो आधुनिक मैराथन से बहुत पहले ही सहनशक्ति, एकाग्रता और आंतरिक शक्ति का प्रतीक रही है। अपने चौथे संस्करण में 'रन फॉर राम' में देश-विदेश से 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। इस आयोजन में एथलीट्स, फिटनेस प्रेमी, परिवार, पहली बार दौड़ने वाले प्रतिभागी, वरिष्ठ नागरिक और श्रद्धालु सभी एक साझा मंच पर एकत्र होंगे। इस अवसर पर केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख एल. मांडविया मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि 'रन फॉर राम' उस प्राचीन भारतीय विचारधारा का प्रतीक है, जिसमें स्वस्थ शरीर को स्वस्थ चरित्र की नींव माना गया है। क्रीड़ा भारती की यह सामाजिक पहल लोगों को श्रीराम के मूल्यों से जुड़े रहते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करती है। महिला सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्त्री इंडिया स्पोर्ट्स फाउंडेशन इस आयोजन में नॉलेज पार्टनर के रूप में जुड़ा है। यह संस्था 'रन फॉर राम' को एक ऐसे आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित कर रही है, जहां महिलाएं और बालिकाएं अपनी आंतरिक शक्ति का प्रदर्शन कर सकें और राष्ट्रीय कल्याण में अहम भूमिका निभा सकें। क्रीड़ा भारती दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष भानु सचदेवा ने कहा कि 'रन फॉर राम' की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह फिटनेस, भक्ति और एक साझा लक्ष्य के माध्यम से लोगों को एकजुट करता है। मैराथन में चार प्रोफेशनली टाइम्ड रेस कैटेगरी होंगी, जिन्हें आरएफआईडी तकनीक और बेहतरीन ऑन-कोर्स सुविधाओं का सहयोग मिलेगा। प्रतिभागी 42 किमी और 21 किमी (18 वर्ष से अधिक आयु), 10 किमी (12 वर्ष से अधिक आयु) तथा 3 किमी (सभी आयु वर्ग) की दौड़ में हिस्सा ले सकेंगे।

- कुल 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि सभी श्रेणियों में वितरित की जाएगी

छत्तीसगढ़ के 'बस्तर पण्डुम 2026' का शुभारंभ समारोह सात फरवरी को

- राष्ट्रपति होंगी मुख्य अतिथि

एजेंसी, जगदलपुर

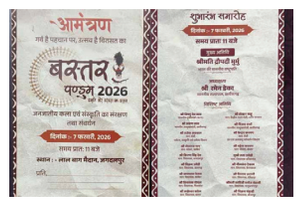

छत्तीसगढ़ का बस्तर अपनी सभ्यता, परंपराओं और प्राकृतिक सौंदर्य के उत्सव 'बस्तर पण्डुम 2026' के लिए पूरी तरह तैयार है। शनिवार 7 फरवरी को होने वाले इस समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु होंगी। संस्कृति विभाग और छत्तीसगढ़ शासन की ओर से 'प्रकृति और परंपरा के उत्सव' के रूप में मनाए जा रहे 'बस्तर पण्डुम 2026' का शुभारंभ समारोह शनिवार 7 फरवरी को सुबह 11 बजे आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन न केवल बस्तर बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा, जहां आधुनिकता के साथ-साथ माटी की सुगंध भी बिखरेगी। इस समारोह की भव्यता और गरिमा को बढ़ाने के लिए देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में विशेष रूप से बस्तर पधारेंगी। राष्ट्रपति की उपस्थिति इस सांस्कृतिक महाकुंभ को राष्ट्रीय पटल पर नई पहचान दिलाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू उपस्थित रहेंगे। इनके साथ ही उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, मंत्री राजेश अग्रवाल तथा केदार कश्यप भी मंच की शोभा बढ़ाएंगे। बस्तर सांसद महेश कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग सहित विधायक किरण सिंह देव, सावित्री मनोज मंडावी, लखेश्वर बघेल और विक्रम मंडावी अपनी गरिमामयी उपस्थिति देंगे।

पाकिस्तानी पीएम बोले- कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा

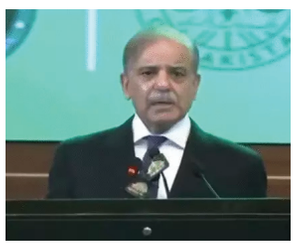

- कश्मीरियों के साथ मजबूती से खड़े, यह इलाका PAK की लाइफ लाइन है

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को PoK में कश्मीर को लेकर एक बार फिर विवादित बयान दिया है। मुजफ्फराबाद में विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा।' शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों के साथ मजबूती से खड़ा है और जम्मू-कश्मीर विवाद का हल कश्मीर के लोगों की इच्छा के मुताबिक होना चाहिए। शहबाज ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के प्रस्तावों को लागू करने से ही हो सकता है। उन्होंने कहा, 'मैं पाकिस्तानी लोगों और पाकिस्तानी नेतृत्व की ओर से कश्मीर के अपने भाइयों के साथ एकजुटता दिखाने आया हूं।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने इस क्षेत्र को पाकिस्तान की लाइफ लाइन बताया था।

शहबाज बोले- हम शांति चाहते, यह न्याय के आधार पर संभव: शहबाज ने यह भी कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति चाहता है, लेकिन यह शांति बराबरी और न्याय के आधार पर ही संभव है। हर साल की तरह इस साल भी 5 फरवरी को पाकिस्तान में कश्मीर एकजुटता दिवस (कश्मीर सॉलिडैरिटी डे) मनाया गया। इसमें रैलियां, प्रदर्शन और सेमिनार आयोजित किए गए। स्टेट रन रेडियो पाकिस्तान ने बताया कि संघर्ष में जान गंवाने वालों की याद में सुबह 10 बजे एक मिनट का मौन रखा गया। लोग बैनर और प्लेकार्ड लेकर आए थे। भारत ने पाकिस्तान के दावों को लगातार खारिज किया है।

अमेरिकी नागरिकों को तुरंत ईरान छोड़ने की चेतावनी

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी/तेहरान

अमेरिका ने ईरान में रह रहे अपने नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सख्त चेतावनी दी है। वर्चुअल अमेरिकी दूतावास ने कहा है कि देश में सुरक्षा की स्थिति बेहद खराब हो गई है। बढ़ती अशांति, पाबंदियां और यात्रा में रुकावटें लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन रही हैं। एम्बेसी ने साफ कहा है कि जल्द से जल्द ईरान छोड़ दें। अपने निकलने का प्लान खुद बनाएं और इसमें अमेरिकी सरकार की मदद पर भरोसा न करें। मौजूदा हालात में आधिकारिक सहायता बेहद सीमित है। ईरान में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन और अशांति के कारण सुरक्षा व्यवस्था सख्त हो गई है। सड़कें बंद हैं, सार्वजनिक परिवहन ठप है, इंटरनेट और मोबाइल-लैंडलाइन सेवाएं बार-बार बाधित हो रही हैं। कई एयरलाइंस ने ईरान आने-जाने वाली उड़ानों को सीमित या रद्द कर दिया है, जिससे बाहर निकलना और भी मुश्किल हो गया है। इस बीच अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता आज ओमान की राजधानी मस्कट में शुरू हो रही है। यह पिछले करीब नौ महीनों में दोनों देशों के बीच पहली औपचारिक बैठक है, जो जून 2025 में हुए संघर्ष के बाद से निलंबित थी।

- वर्चुअल एंबेसी बोली- मदद का इंतजार न करें, खुद निकलें, ओमान में परमाणु मुद्दे पर आज बातचीत

दूतावास ने दोहरी नागरिकता वाले लोगों के लिए ज्यादा खतरा बताया: अमेरिकी चेतावनी में कहा गया है कि अगर तुरंत निकलना संभव न हो तो सुरक्षित जगह पर रहें। वहां खाना, पानी, दवाइयां और जरूरी सामान का स्टॉक रखें। इंटरनेट ब्लैकआउट जारी रहने की संभावना है, इसलिए परिवार और दोस्तों से संपर्क के लिए दूसरे तरीके सोचें। US एम्बेसी ने अमेरिका-ईरान की दोहरी नागरिकता रखने वाले लोगों के लिए ज्यादा खतरा बताया है। ईरान दोहरी नागरिकता को मान्यता नहीं देता, इसलिए ऐसे लोग ईरानी पासपोर्ट से ही बाहर निकल सकते हैं। अमेरिकी पासपोर्ट दिखाना या अमेरिका से जुड़ाव जाहिर करना ईरानी अधिकारियों के लिए हिरासत में लेने का कारण बन सकता है। ऐसे में पूछताछ, गिरफ्तारी या लंबी हिरासत का खतरा है। जो अमेरिकी नागरिक बिना वैध अमेरिकी पासपोर्ट के हैं, उन्हें ईरान छोड़ने के बाद नजदीकी अमेरिकी दूतावास से पासपोर्ट बनवाने की सलाह दी गई है।

लोगों को प्रदर्शनों से दूर रहने और फोन चार्ज रखने की सलाह: अमेरिकी सरकार ने साफ किया है कि ईरान में कूटनीतिक और कांसुलर संबंध न होने की वजह से वह अपने नागरिकों की मदद करने की स्थिति में नहीं है। अमेरिका के हितों का प्रतिनिधित्व तेहरान में स्विट्जरलैंड दूतावास करता है। रूटीन कांसुलर सेवाएं बंद हैं और हालात में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे, इसलिए अमेरिकी नागरिकों से खुद ही सुरक्षित निकलने की ठोस योजना बनाने की अपील की गई है। सुरक्षा के लिए कुछ जरूरी सलाह भी दी गई है, जैसे प्रदर्शनों और भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर रहें, फोन हमेशा चार्ज रखें, परिवार से संपर्क बनाए रखें और स्थानीय मीडिया पर नजर रखकर हालात की जानकारी लेते रहें।

व्हाइट हाउस बोला- बातचीत नाकाम हुई तो ताकत का इस्तेमाल करेंगे: हाई-लेवल वार्ता से पहले व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कूटनीति के पक्ष में हैं, लेकिन अगर बातचीत नाकाम होती है तो ताकत का इस्तेमाल करने के लिए भी तैयार हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा कि ट्रम्प ओमान में होने वाली बातचीत में देखना चाहते हैं कि क्या कोई समझौता हो सकता है। साथ ही उन्होंने ट्रम्प की मांग दोहराई कि ईरान के पास जीरो परमाणु क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर बातचीत से नतीजा नहीं निकला तो राष्ट्रपति के पास कई विकल्प मौजूद हैं।

वैलेंटाइन वीक 7-14 फरवरी 2026 बनाम भारतीय विकल्पः संतुलन की जरूरत-प्यार, भावनाएँ संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन की वैश्विक ज़रूरत -एक समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

- वैलेंटाइन वीक को मनाते समय जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और मर्यादा बनाए रखना पहले से अधिक जरूरी हो गया है।
- वैलेंटाइन डे के विकल्प के रूप में माता-पिता पूजन दिवस, भारतीय संस्कृति दिवस और पारिवारिक मूल्यों से जुड़े कार्यक्रमों को बढ़ावा देना सांस्कृतिक टकराव नहीं सामाजिक चिंता -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

केवल प्रेम तक सीमित नहीं है, बल्कि दोस्ती,केयर, इमोशनल बॉन्डिंग और आपसी सम्मान तक विस्तारित हो चुका है।हालांकि वैलेंटाइन वीक को लेकर भारत में उत्साह है,लेकिन इसके साथ ही मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह देखरहा हूँ क़ि बीते कुछ वर्षों में सामाजिक और सांस्कृतिक स्तरपर विरोध के स्वर भी तेज़ हुए हैं।कुछ सामाजिक और धार्मिक संगठन मानते हैं कि वैलेंटाइन डे की आड़ में भारतीय परंपरा, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ़ गतिविधियाँ बढ़ रही हैं।सार्वजनिक स्थलों पर अश्लीलता, महिलाओं के प्रति असम्मान,और रिश्तों के नाम पर दिखावे की संस्कृति को लेकर चिंता व्यक्त की जाती रही है।वैलेंटाइन वीक का विरोध केवल भावनात्मक या वैचारिक नहीं है,बल्कि इसके पीछे सामाजिक अनुशासन और सांस्कृतिक पहचान की चिंता भी जुड़ी हुई है।भारत जैसे पारिवारिक मूल्यों वाले समाज में प्रेम को निजी और मर्यादित भाव माना गया है। कुछ संगठनों का तर्क है कि पश्चिमी संस्कृति की नकल करते हुए युवा वर्ग भावनाओं की अभिव्यक्ति में संतुलन खो बैठता है,जिससे सामाजिक ताने-बाने पर नकारात्मक असर पड़ता है।इसी कारण वैलेंटाइन डे के विकल्प के रूप में माता-पिता पूजन दिवस, भारतीय संस्कृति दिवस और पारिवारिक मूल्यों से जुड़े कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है।आज का युवा वर्ग डिजिटल युग में जी रहा है, जहां भावनाओं का इज़हार सोशल मीडिया पोस्ट, स्टोरी और रील्स के ज़रिये होता है। यह सुविधा जहां रिश्तों को जोड़ती है, वहीं कई बार भावनात्मक अतिरेक, दिखावा और तुलना की मानसिकता भी पैदा करती है। ऐसे में वैलेंटाइन वीक को मनाते समय जिम्मेदारी,संवेदनशीलता और मर्यादा बनाए रखना पहले से बहुत अधिक जरूरी हो गया है। साथियों बात अगर हम वैलेंटाइन वीक 7 से 14 फरवरी 2026: तिथियाँ और उनका भावनात्मक महत्व को समझने की करें तो, वैलेंटाइन वीक 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होती है और 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के साथ इसका समापन होता है। इस सप्ताह का प्रत्येक दिन किसी न किसी भावना, प्रतीक और रिश्ते के पहलू को समर्पित है।7 फरवरी- रोज़ डे:प्रेम की कोमल शुरुआत रोज़ डे वैलेंटाइन वीक की पहली सीढ़ी है। गुलाब फूल प्रेम,सौंदर्य और भावनाओं की कोमलता का प्रतीक माना जाता है। लाल गुलाब गहरे प्रेम का संकेत देता है, गुलाबी अपनापन और प्रशंसा का,सफेद शांति और सम्मान का, जबकि पीला दोस्ती और खुशी का प्रतीक है। रोज़ डे रिश्तों की शुरुआत को सौम्यता और संवेदनशीलता के साथ दर्शाता है।8फरवरी-प्रपोज़ डे:भावनाओं को शब्दों में ढालने का दिन-प्रपोज़ डे वह दिन है जब लोग अपने दिल की बात खुलकर सामने रखते हैं। यह केवल रोमांटिक रिश्तों तक सीमित नहीं, बल्कि दोस्ती, साझेदारी और जीवनभर के साथ का प्रस्ताव भी हो सकता है।भारतीय संदर्भ में यह दिन ईमानदारी, सम्मान और स्पष्टता के साथ भावनाओं को व्यक्त करने का संदेश देता है।9 फरवरी -चॉकलेट डे:रिश्तों में मिठास का प्रतीक चॉकलेट डे रिश्तों में मिठास और खुशी घोलने का दिन माना जाता है।चॉकलेट न केवल स्वाद में मीठी होती है, बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी यह मूड बेहतर करने में सहायक मानी जाती है। यह दिन यह दर्शाता है कि छोटे- छोटे इशारे भी रिश्तों को मजबूत बना सकते हैं।10 फरवरी-टेडी डे:केयर और मासूमियत की अभिव्यक्तिटेडी डे मासूमियत, देखभाल और भावनात्मक सुरक्षा का प्रतीक है। सॉफ्ट टॉय की तरह ही प्रेमी का दिल भी कोमल और संवेदनशील होता है। यह दिन यह सिखाता है कि रिश्तों में कठोरता नहीं, बल्कि कोमलता और समझ जरूरी है।11 फरवरी-प्रॉमिस डे:विश्वास और प्रतिबद्धता का आधार- प्रॉमिस डे किसी भी रिश्ते की नींव को मजबूत करने का दिन है।वादे केवल शब्द नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और भरोसे की अभिव्यक्ति होते हैं। भारतीय संस्कृति में वचन और संकल्प को अत्यंत पवित्र माना गया है,इसलिए यह दिन पारंपरिक मूल्यों से भी गहराई से जुड़ता है।12 फरवरी-हग डे:अपनापन और भावनात्मक सुरक्षा-हग डे गले लगकर अपनापन, भरोसा और भावनात्मक जुड़ाव दिखाने का दिन है। मनोवैज्ञानिक रूप से भी एक सम्मानजनक आलिंगन तनाव कम करता है और आत्मीयता बढ़ाता है। यह दिन यह संदेश देता है कि प्रेम केवल शब्दों में नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा में भी प्रकट होता है।13 फरवरी-किस डे:भावनात्मक निकटता की अभिव्यक्ति-किस डे को लेकर भारतीय समाज में सबसे अधिक मतभेद देखने को मिलते हैं।यह दिन भावनात्मक और रोमांटिक निकटता का प्रतीक है, लेकिन इसे निजी दायरे और पारस्परिक सहमति के साथ ही सीमित रखना सामाजिक संतुलन के लिए अतिआवश्यक है। 14 फरवरी-वैलेंटाइन डे:प्रेम का चरम उत्सव-वैलेंटाइन डे पूरे सप्ताह का केंद्र बिंदु होता है। यह दिन प्रेम, समर्पण और भावनात्मक स्वीकृति का प्रतीक बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दिन रिश्तों की परीक्षा और पुष्टि दोनों का माध्यम माना जाता है। साथियों बात अगर हम वैलेंटाइन वीक बनाम भारतीय विकल्पःसंतुलन की जरूरत को समझने की करें तो,आज के भारत में सबसे बड़ीआवश्यकता टकराव नहीं, बल्कि संतुलन की है। प्रेम का सम्मान करते हुए सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करना ही परिपक्व समाज की पहचान है। यदि वैलेंटाइन वीक भारतीय मर्यादा,आपसी सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ मनाया जाए, तो यह न तो विरोध का कारण बनेगा और न ही सामाजिक चिंता का। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि प्रेम, संस्कृति और विवेक का संगम वैलेंटाइन वीक 2026 केवल प्रेम का उत्सव नहीं, बल्कि समाज की परिपक्वता की भी परीक्षा है।यह सप्ताह हमें सिखाता है कि भावनाओं की अभिव्यक्ति स्वतंत्र हो सकती है,लेकिन विवेक और संस्कृति के साथ। जब प्रेम सम्मान,जिम्मेदारी और मर्यादा के साथ मनाया जाता है,तभी वह रिश्तों को मजबूत करता है और समाज को सकारात्मक दिशा देता है।वैलेंटाइन डे के विकल्प के रूप में माता-पिता पूजनदिवस भारतीय संस्कृति दिवस और पारिवारिक मूल्यों से जुड़े कार्यक्रमों को बढ़ावा देना सांस्कृतिक टकराव नहीं सामाजिक चिंता है जो आज के दौर में लाज़मी भी है

संकलनकर्ता लेखक-कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9226229318

वैश्विक कूटनीति में बदलता शक्ति संतुलन

लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान

मौजूदा वक्त में विकसित देशों के साथ ही प्रमुख विकासशील देशों में जिस तरह के घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं, उससे दुनियां में एक बड़े बदलाव की आहट सुनाई दे रही है। मनमाने ढंग से देशों पर अपने नियमों को लादना और न मानने पर कठोर से कठोर कार्यवाही करना, सामान्य लगने लगा है। न्याय दिलाने या जुल्म को खत्म करने की बजाय शक्ति का उपयोग अपने आधिपत्य को बढ़ाने के लिए किया जाने लगा है। इस तरह से इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक दुनियां की तस्वीर बदलने को आतुर नजर आ रहा है। वैश्विक राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिख रही है। यही नहीं लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का नेतृत्व करने वाला अमेरिका अब धीरे-धीरे कई बहुपक्षीय मंचों और वैश्विक संस्थानों से पीछे हटता नजर आया है। इसके विपरीत, चीन इस खाली होते कूटनीतिक मैदान में न केवल सक्रिय हुआ है, बल्कि स्वयं को एक वैकल्पिक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने की कोशिश भी कर रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि भविष्य का वैश्विक सुपर पावर कौन होगा, अमेरिका, रुस, चीन या कोई और उभरती ताकत? अमेरिका में दूसरी बार बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक वर्ष के कार्यकाल में 66 बहुपक्षीय संगठनों से बाहर निकलने की घोषणा करके सभी को चौंकाने का काम किया है। इससे वैश्विक राजनीति में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है। जलवायु परिवर्तन, श्रम अधिकार और प्रवासन जैसे मुद्दों को 'राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध' बताकर उनसे दूरी बनाना अमेरिका की उस परंपरागत भूमिका से हटना है, जिसमें वह वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं के संरक्षक की भूमिका निभाता चला आ रहा था। फिलहाल इस बदलाव का लाभ चीन को मिला है, जिसने कूटनीतिक स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग में विदेशी नेताओं की मेजबानी के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह कहना, कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था भारी दबाव में है और समानता आधारित प्रणाली की जरूरत है, चीन की महत्वाकांक्षा को स्पष्ट करता है। वैसे चीन इस दिशा में लंबे समय से काम करता चला आया है। खास बात यह है कि चीन का उभार केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहा है। अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में यह धारणा मजबूत हुई है कि आने वाले दशकों में चीन का वैश्विक प्रभाव तेजी से बढ़ेगा। ऐसे में अमेरिका और चीन के बीच शक्ति का जो अंतर कभी बहुत व्यापक था, वह अब सिमट रहा है। हालांकि सैन्य क्षमता, तकनीकी नवाचार और सॉफ्ट पावर के लिहाज से अमेरिका अब भी अग्रणी है, लेकिन चीन आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चे पर उसकी बराबरी बल्कि कई मामलों में तो आगे बढ़ता दिखा है। इस वैश्विक रणनीति में 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका बेहद अहम है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों के साथ चीन ने बीते एक दशक में गहरे संबंध बनाए हैं। वर्ष 2013 में शुरू किया गया बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) इसी का सशक्त उदाहरण है, जिसके तहत चीन ने बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश कर रखा है। आज जब पश्चिमी देश चीन को रणनीतिक रूप से घेरने का प्रयास कर रहे हैं, तब यही विकासशील देश उसके लिए राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन का आधार बनते दिख रहे हैं। आर्थिक रूप से भी चीन की स्थिति मजबूत बनी हुई है, 2025 में पांच प्रतिशत की विकास दर और रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष इसकी पुष्टि करते हैं। बावजूद इसके अमेरिका के सामने चीन का यह रास्ता जोखिमों से मुक्त नहीं है। अमेरिका टैरिफ-टैरिफ खेल रहा है, जबकि कई देशों में बीआरआई परियोजनाओं से जुड़े कर्ज संकट ने चीन को अपनी निवेश नीति पर पुनर्विचार के लिए मजबूर कर दिया है। यही कारण है कि अब वह बड़े और जोखिम वाले प्रोजेक्ट्स के बजाय छोटे, सुरक्षित और रणनीतिक निवेशों पर ध्यान दे रहा है। इसके साथ ही रूस और उत्तर कोरिया जैसे देशों के साथ उसकी बढ़ती नजदीकी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ाई है। यह साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर नहीं, बल्कि अमेरिका-विरोध जैसे तात्कालिक हितों पर आधारित प्रतीत होती है, जिसका असर संयुक्त राष्ट्र में समन्वित मतदान के रूप में दिखता है।

राहुल की जिद और उद्दंडता से शुरू हुआ बुक वॉर

लेखक-बी पी गौतम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्र भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित हो गये हैं, उनके नाम पर भारतीय जनता पार्टी आसानी से चुनाव की वैतरणी पार कर जाती है। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लगा होगा कि नरेंद्र मोदी की शक्ति ईमानदारी है, इसलिए उन्होंने राफेल में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया और गौतम अडानी के बहाने जोरदार हमले किये, उनके कई आरोप उच्चतम न्यायालय तक गये हैं, जहां आरोपों में कोई दम नहीं निकला, साथ ही आम जनता का भाव भी नरेंद्र मोदी के प्रति नहीं बदला। चीन से तनाव के समय जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुये नरेंद्र मोदी को कमजोर प्रधानमंत्री सिद्ध करने का प्रयास किया पर, आम जनता पर कोई असर नहीं हुआ। पाकिस्तान से संघर्ष विराम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में बताया पर, आम जनता ने उनकी बातों पर विश्वास नहीं किया। अब राहुल गांधी को लगता है कि नरेंद्र मोदी पर आम जनता, उनके स-शक्त निर्णयों को लेकर अटूट विश्वास करती है, इस छवि को आघात पहुँचाने के उद्देश्य से ही राहुल गांधी पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की अ-प्रकाशित पुस्तक के अंश को मुद्दा बनाने का प्रयास कर रहे हैं, साथ ही स्वयं को निडर और स-शक्त दर्शाने के लिये उद्दंडता पूर्ण व्यवहार करते हुये भी दिखाई दे रहे हैं लेकिन, उन्हें इस बात का अहसास भी नहीं है कि उनकी निरर्थक जिद और उद्दंडता से, उनकी ही छवि खराब हो रही है, साथ ही पुस्तकों के हवाले से ही अब भाजपा भी गड़े मुर्दे उखाड़ेगी, जिससे नेहरू-गांधी खानदान के कु-कृत्यों की दुर्गंध पुनः ताजा हो सकती है, इसी विषय पर चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

यह है ताजा प्रकरण- संसद का बजट सत्र हंगामें की भेंट चढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय सेना के पूर्व अध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की तथा-कथित अ-प्रकाशित पुस्तक का उल्लेख करते हुए दावा किया कि चीन की सेना भारत की सीमा में घुस रही थी, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोई स्पष्ट निर्णय नहीं लिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में राहुल गांधी द्वारा सदन में तथा-कथित पुस्तक के कोट करने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सदन के नियमों के विरुद्ध है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं चाहता हूं कि लोकसभा में विपक्ष के नेता सदन के समक्ष वह पुस्तक प्रस्तुत करें, जिसका वे हवाला दे रहे हैं, क्योंकि जिस पुस्तक का वे उल्लेख कर रहे हैं, वह प्रकाशित नहीं हुई है। राजनाथ सिंह ने लोकसभा अध्यक्ष से कहा कि राहुल गांधी को सदन में बिना तथ्य के बोलने की इजाजत न मिले, साथ ही गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी बिना प्रामाणिकता के बात न करें, वह एक मैगजीन की रिपोर्ट पढ़ रहे हैं। मैगजीन में कुछ भी लिखा जा सकता है, रक्षा मंत्री की बात का भरोसा करें, राहुल को किसने बताया कि चीनी टैंक आये थे, चर्चा राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हो रही है। अमित शाह ने कहा कि विवाद राहुल गांधी ने समाप्त कर दिया है, उन्होंने खुद कहा कि पुस्तक प्रकाशित नहीं हुई है, उसका सदन में जिक्र कैसे हो सकता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी को कई बार टोका और सदन के नियमों का हवाला देते हुए रूलिंग दी कि अ-प्रकाशित सामग्री को सदन में उद्धरित करना नियमों के विरुद्ध है, इसके बावजूद राहुल गांधी अपनी बात पर अड़े रहे, जिससे हंगामा और बढ़ गया। राहुल ने कहा कि आप ही बता दीजिए कि मैं क्या बोलूं, सत्ता पक्ष ने इसे सदन की मर्यादा के विरुद्ध बताया, जबकि विपक्ष का कहना था कि चीन से जुड़े तथ्य अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और चर्चा रोकी जा रही है। असलियत में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या के भाषण के बाद राहुल ने बोलना शुरू किया था, उन्होंने कहा कि तेजस्वी ने कांग्रेस पार्टी के विरुद्ध आरोप लगाए और हमारी देशभक्ति पर सवाल उठाए, इस पर राहुल ने पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की आत्मकथा को कोट करना शुरू किया, राहुल ने कहा कि नरवणे की आत्मकथा एक मैग्जीन में छपी है, इसके बाद राहुल ने मनोज मुकुंद नरवणे की आत्मकथा को कोट करना शुरू किया कि आप समझेंगे कि कौन है देशभक्त, वो कहते हैं कि चीनी टैंक भारतीय पोजशीन में कैलाश रेंज के कुछ सौ मीटर ही दूर थे। ओम बिरला ने भी सदन के नियम- 349 का उल्लेख करते हुए कहा कि अखबार की कटिंग या, अ-प्रकाशित पुस्तकों पर चर्चा करने की परंपरा नहीं है, सदन की कार्यवाही नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार चलती है, इसके बाद सोमवार से ही सदन में हंगामा शुरू हो गया और फिर राहुल गांधी सदन के बाहर भी मुद्दे को लगातार उठा रहे हैं और सदन में न बोलने देने का आरोप लगा रहे हैं।

यह कहता है नियम- 349- लोकसभा की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने के लिये कई तरह के नियम बनाये गए हैं, जिनका प्रत्येक सांसद को पालन करना होता है, ऐसा ही एक नियम- 349 है, इस नियम के अंतर्गत सदन में किसी भी चित्र, पत्र, अ-प्रकाशित पुस्तक या, समाचार पत्र का प्रदर्शन करने पर रोक है, इस नियम के अंतर्गत किसी भी सदस्य के बोलते समय गलत तरीके से या, शोर से बीच में बोलने से नहीं रोका जा सकता है, बोलने वाले किसी सदस्य के बीच से नहीं गुजरा जा सकता है, जब कोई दूसरा सदस्य बोल रहा हो तो, कार्यवाही में रुकावट नहीं डाल सकते हैं, सीटी नहीं बजा सकते और कमेंट्री नहीं कर सकते हैं, सदन में नारे नहीं लगा सकते हैं, इसी तरह संसद भवन परिसर में भी कोई भी ऐसा साहित्य, सवाल-जवाब, पैम्फलेट, प्रेस नोट, लीफलेट आदि नहीं बांटे जा सकते हैं।

पुस्तक लिखने को सैन्य अफसरों के लिए हैं कड़े नियम- मनोज मुकुंद नरवणे 2019 से 2022 तक भारतीय सेना के अध्यक्ष रहे थे, इन्होंने फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी नाम से पुस्तक लिखी है, इस पुस्तक में उन्होंने अपने कैरियर, नेतृत्व और 2020 में भारत-चीन सीमा पर लद्दाख में हुए तनाव के बारे में भी लिखा है लेकिन, पुस्तक अभी तक विधिवत प्रकाशित नहीं हुई है। असलियत में सैन्य अधिकारियों द्वारा पुस्तक लिखने पर कई नियम हैं। अगर, किसी पुस्तक में संवेदनशील जानकारी है तो, उसके लिये विशेष नियम बनाये गये हैं। सेवारत अधिकारियों के लिये Army Act, Official Secrets Act और Service Conduct Regulations के अंतर्गत कई प्रतिबंध होते हैं, इसलिए कोई भी सैन्य अधिकारी बिना केंद्र सरकार की अनुमति के सेवा से जुड़ी जानकारी, राजनीतिक मुद्दे या, गोपनीय बातें पुस्तक, लेख या, भाषण में नहीं बता सकता है, ऐसा करने पर दंडित किया जा सकता है। सेवानिवृत्त अधिकारियों के लिये जून 2021 में सेंट्रल सिविल सर्विसेज (पेंशन) रूल्स में संशोधन किया गया है, जिनमें बताया गया है कि खुफिया या, सुरक्षा से जुड़े विभागों में काम करने वाले सेवानिवृत्त अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के अपनी सेवा से जुड़ी जानकारी प्रकाशित नहीं कर सकते है, रक्षा सेवाओं में भी pre-publication clearance व्यवस्था लागू होती है। रक्षा सेवाओं पर नियम सीधे नहीं बल्कि, समान सिद्धांत के रूप में लागू होते हैं। पूर्व सेना प्रमुख जैसे उच्च पद के अधिकारी गोपनीय जानकारी रखते हैं, ऐसे में उनकी पुस्तक की प्री-पब्लिकेशन सिक्योरिटी क्लियरेंस यानी, पूर्व समीक्षा बेहद आवश्यक होती है। रक्षा मंत्रालय और भारतीय सेना पुस्तक की लाइन-बाय-लाइन जांच करती है। अगर, पुस्तक में संवेदनशील बातें जैसे, सीमा विवाद, ऑपरेशन या, नीतियों से संबंधित जानकारी है तो, सरकार बदलाव की मांग कर सकती है या, प्रकाशित करने की अनुमति नहीं देती है, इसी प्रक्रिया में मनोज मुकुंद नरवणे की पुस्तक है ।

भारत को तोड़ना होगा कॉफी क्लब का चक्रव्यूह

राजेश पाठक

संयुक्त राष्ट्रसंघ के सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थाई सदस्यता को लेकर रह-रहकर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाजें उठती आई हैं। वैसे भी 24अक्टूबर 1945 को जब संयुक्त राष्ट्रसंघ का गठन हुआ था उस वक्त मात्र 51 देश ही इसके सदस्य थे।अब बढ़कर 193 हो गये जो विभिन्न विचारों व संस्कृतियों के वाहक हैं।अब समस्याओं के स्वरूप में भी आमूल-चूल परिवर्तन व बदलाव होने लगे हैं। जलवायु परिवर्तन, समावेशी विकास, आतंकवाद, भूख, डिजिटल तकनीकों का अंतरराष्ट्रीय वितरण आदि जैसे मुद्दे अब ज्यादा ज्वलंत हो गये हैं।इस बदलती परिस्थितियों में सुरक्षा परिषद् को अधिक लोकतांत्रिक बनाने एवं उसकी संरचनाओं तथा निर्णय लेने की प्रक्रिया में तात्विक बदलाव लाना प्रासंगिक हो गया है। परिषद् में स्थाई सदस्यता को लेकर गठित जी 4 (भारत, ब्राजील, जर्मनी, जापान) संगठन यद्यपि पुरजोर तरीके से संयुक्त राष्ट्रसंघ आम सभा की विभिन्न औपचारिक व अनौपचारिक बैठकों में उक्त संबंध में अपने दावे को प्रस्तुत करते आया है तथापि स्थाई सदस्यता के मार्ग में अनेक बाधक तत्व उभर आए हैं। सुरक्षा परिषद् का लोकतंत्रीकरण के मार्ग में सबसे बड़ा रोड़ा है-कॉफी क्लब -(युनाईटिंग फॉर कॉसेंसस)।

क्या है कॉफी क्लब?- कॉफी क्लब (1995)एक अनौपचारिक संगठन है जिसे इटली ने अपने राजदूत फ्रांसिस्को पाउलो फुलकी के प्रयास से पाकिस्तान, मैक्सिको व इजिप्ट के साथ मिलकर बना रखा है।यह संगठन सुरक्षा परिषद् के स्थाई सदस्यों के संबंध में यथास्थिति का पक्षधर है एवं इसमें किसी भी बदलाव का घोर विरोधी है। भले ही वह सुरक्षा परिषद् के अस्थाई सदस्यों की संख्या व कार्यकाल में वृद्धि का हिमायती रहा हो।आज स्पेन, अर्जेंटीना,टर्की, कनाडा जैसे लगभग 50 देश इस क्लब से जुड़ कर जी4 देशों के सुरक्षा परिषद् में स्थाई सदस्यता की दावेदारी पर ग्रहण लगाने को आमादा हैं। ज्ञात हो कि सुरक्षा परिषद् के स्थाई सदस्यों में शामिल होने के लिए संबंधित प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्रसंघ आम सभा के कुल सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से पारित होने के बाद ही प्रस्ताव सुरक्षा परिषद् में अंतिम मुहर हेतु भेजा जाता है जिसमें पांच स्थाई सदस्यों की सर्वसम्मति भी चाहिए होती है। कॉफी क्लब के सदस्यों के बीच परस्पर निर्भरता व तालमेल के कारण जी4 देशों के लिए आम सभा में भी आवश्यक बहुमत जुटा पाना लोहे का चना चबाने जैसा ही है। और तो और इस क्लब को बढ़ावा देने में चीन सबसे आगे है।वह चाहता है कि स्थाई सदस्यों के रूप में नये राष्ट्रों के प्रवेश पर सर्वसम्मति के सिद्धांत का अनुकरण किया जाय। अमरीका का इस संदर्भ में कोई भी स्पष्ट रूख नहीं है। रूस को भी उस सीमा तक ही सुधार मंजूर है जिस सीमा तक उसका विशेषाधिकार अक्षुण्ण रहे। कुल मिलाकर यह तथ्य सामने आ चुका है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ का पुनर्गठन व इसे और भी लोकतंत्रिक बनाकर ही प्रासंगिक रखा जा सकता है।भारत के साथ -साथ ब्राजील, जापान, जर्मनी जैसे देशों को नजरंदाज करने का वक्त जा चुका है। भारत को ही लें तो आज यह अधिसंरचनात्मक दृष्टि से सक्षम है। विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार व सबसे बड़ा लोकतंत्र है। कृषि उपज में भी अग्रणी है। विश्व की चौथी सैन्य ताकत के साथ -साथ घोषित व स्वीकृत परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र भी है।और तो और पिछले दिनों भारत को जी 20 समूह की अध्यक्षता का भी दायित्व सौंपा गया है जो इसके विश्व स्तर पर प्रभावशाली होने के तथ्य व सत्य को संपुष्ट करता है। कोविड संक्रमण के दौरान भी इसने जिस तरह, विश्व समुदाय के लिए, इसके प्रभावी रोकथाम के प्रयत्न किए वे जग जाहिर हैं। अतः सुरक्षा परिषद् को लोकतांत्रिक व समावेशी बनाने के मार्ग में अनौपचारिक संगठनों द्वारा उत्पन्न की जा रही बाधाओं के प्रति संयुक्त राष्ट्रसंघ को गंभीर होने की जरूरत है।इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि चाहे तो संयुक्त राष्ट्रसंघ जिस तरह नये राष्ट्रों के प्रवेश हेतु मानदंड तय कर रखे हैं उसी तरह सुरक्षा परिषद् की स्थाई सदस्यता हेतु भी राष्ट्रों के लिए कुछ मानक व इंडीकेटर तय कर दे जिस पर खड़ा उतरने वाले सदस्य राष्ट्र को इस परिषद् में स्थाई प्रवेश मिल सके। इसके लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ के चार्टर के कुछेक अंशों में यथोचित संशोधन का प्रस्ताव लाया ही जाना चाहिए। ऐसा कुछ करके ही हम संयुक्त राष्ट्रसंघ पर से उसके अभिजनवादी होने के दाग को भी धो सकेंगे साथ ही सुरक्षा परिषद् के लोकतंत्रीकरण से विश्व समुदाय के विश्वास को भी अर्जित किया जा सकेगा।

(लेखक झारखंड सरकार के योजना एवं विकास विभाग में सांख्यिकी अधिकारी हैं)

हेजलवुड चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

● ऑस्ट्रेलिया ने रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया, 11 फरवरी को पहला मैच खेलेगी टीम

सिडनी (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। वे हमस्ट्रिंग इंजरी से अब तक पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसकी पुष्टि करते हुए स्पष्ट किया है कि हेजलवुड की जगह फिलहाल टीम में किसी भी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से होगी। ऑस्ट्रेलियाई

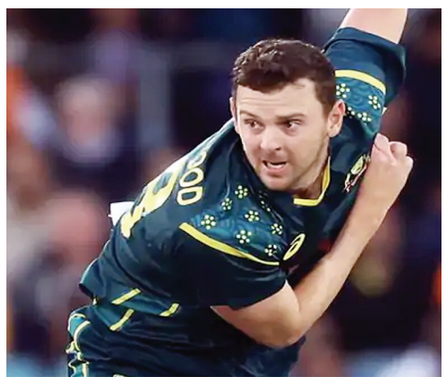

टीम अपना पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई सिलेक्टर टोनी डोडेमाइड ने कहा,हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर-8 स्टेज तक मैच फिट हो जाएंगे, लेकिन उनकी वापसी में अभी और समय लगेगा। उनकी रिकवरी प्रोसेस को तेज करना बहुत बड़ा जोखिम होगा।

ऑस्ट्रेलिया का स्क्वॉड

मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मार्कस स्टोयनिश, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन, मैथ्यू रैनशॉ, कूपर कॉनोली, टिम डेविड, जोश इंग्लिस, बेन ड्वारशुइस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मैथ्यू कुह्नेमन और एडम जम्पा।

11 फरवरी को पहला मैच खेलेगी टीम- ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में शामिल है, जहां उसके साथ श्रीलंका, जिम्बाब्वे, ओमान और आयरलैंड की टीमें हैं। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम का पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में है।

बेन स्टोक्स को चेहरे पर गेंद लगी

● दाईं आंख सूजी, नाक भी चोटिल, सोशल मीडिया पर डरावनी फोटो शेयर की

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स एक भयानक हादसे का शिकार हो गए हैं। मैदान पर ट्रेनिंग के दौरान एक तेज रफ्तार गेंद उनके चेहरे पर जा लगी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। स्टोक्स ने सोशल मीडिया पर अपनी एक डरावनी तस्वीर शेयर की, जिसमें उनका चेहरा पहचान पाना भी मुश्किल हो रहा है।

सोशल मीडिया पर शेयर की 'डरावनी' फोटो- स्टोक्स ने इंस्टाग्राम पर अपनी जो तस्वीर शेयर की है, उसमें उनकी दाईं आंख पूरी तरह सूजी हुई और काली पड़ चुकी है। उनके गाल और होंठों पर खरोंच के गहरे निशान हैं और नाक से खून बहने के कारण पट्टी (बैंडेज) लगी हुई है।

● टी-20 वर्ल्डकप, पाकिस्तान से मैच पर सूर्या बोले

हम तैयार, खेलने से उन्होंने मना किया

● हम कोलंबो जाएंगे, पाक ने मुकाबले का बॉयकॉट किया

मुंबई(एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर चल रहीं चर्चाओं के बीच भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया का रुख स्पष्ट कर दिया। गुरुवार को मुंबई में कैप्टन्स डे के दौरान सूर्या ने कहा कि भारत मैच खेलेगा। सामने वाली टीम नहीं खेलना चाहती तो यह उनकी मर्जी है।

हमारा माइंडसेट बिल्कुल साफ है। हमने खेलने के लिए मना नहीं किया है, उधर से मना किया गया है। आईसीसी ने मैच का शेड्यूल तय किया है और हम खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमारे टिकट बुक हैं और दिल्ली के बाद हम कोलंबो जा रहे हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू हो रहा है। 15 फरवरी को टीम इंडिया कोलंबो में पाकिस्तान से भिड़ने वाली है, लेकिन पाकिस्तान सरकार ने इस मैच के बॉयकॉट का ऐलान कर दिया है।

दो शहरों में कैप्टन्स डे- टी-20 वर्ल्ड कप का कैप्टन्स डे आज दो अलग-अलग शहरों में आयोजित किया गया। मुंबई में भारत, अफगानिस्तान, कनाडा, इंग्लैंड, इटली, नामीबिया, नेपाल, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज के कप्तानों ने हिस्सा लिया।

सूर्या बोले- ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी सहज- मुंबई में बातचीत के दौरान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया के कोच ड्रेसिंग रूम में गौतम गंभीर के असर को लेकर बात की। उन्होंने कहा, गंभीर ने टीम के भीतर जो माहौल बनाया है, वह काफी सकारात्मक है। ड्रेसिंग रूम का माहौल भी काफी सहज रहता है।

भारत के 5, श्रीलंका के 3 वेन्यू पर टूर्नामेंट- भारत में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। वहीं, श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी में मुकाबले होंगे। कोलंबो में आर प्रेमदासा और सिंहला स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे। टीम इंडिया मुंबई, दिल्ली, कोलंबो और अहमदाबाद में ग्रुप स्टेज के मैच खेलेगी।

● पाकिस्तानी पीएम बोले-

बांग्लादेश के साथ खड़े रहना सही फैसला

भारत का बॉयकॉट सोच-समझकर किया; बांग्लादेश के स्पोर्ट्स एडवाइजर बोले- थैंक यू, पाकिस्तान

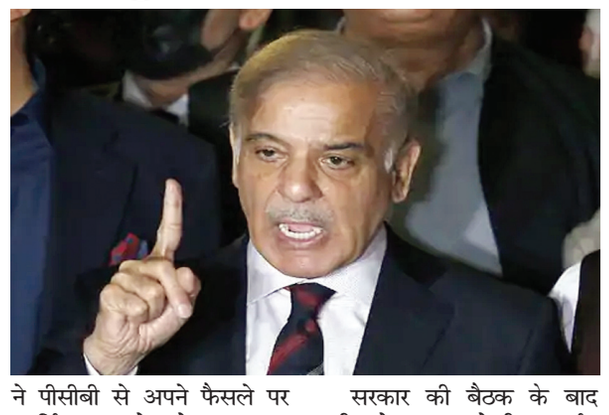

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच के बहिष्कार को सही और सोचा-समझा फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस मुद्दे पर बांग्लादेश के साथ मजबूती से खड़ा है।

एक फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने ङ्क पोस्ट में भारत से मैच का बॉयकॉट करने का ऐलान किया था। उसके बाद आईसीसी ने पीसीबी से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। उसके बाद से पीसीबी का तो कोई बयान नहीं आया, लेकिन वहां के प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया कि पाकिस्तानी सरकार फैसला नहीं बदलने वाली है।

सरकार की बैठक के बाद शरीफ ने कहा- हमने टी20 वर्ल्ड कप पर बिल्कुल साफ रुख अपनाया है कि हम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे, क्योंकि खेल के मैदान पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

पाकिस्तान ने 1 फरवरी को मैच का बॉयकॉट किया

1 फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट के जरिए भारत के खिलाफ मैच के बॉयकॉट करने का ऐलान किया था। पाकिस्तान ने यह फैसला बांग्लादेश के सपोर्ट में लिया था, क्योंकि आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की बजाय अपने मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी। यह पूरा विवाद मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से हटाए जाने के बाद शुरू हुआ। बीसीसीआई ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के विरोध में मुस्तफिजुर रहमान को भारतीय लीग से बाहर करने का फैसला किया था।

● अंडर 19 वर्ल्ड कप के फाइनल में

सूर्यवंशी का 55 बॉल पर शतक, भारत का विशाल स्कोर, 9 विकेट पर 411 रन

सूर्यवंशी ने इंग्लैंड को धोया, 175 रन बनाए

● बाबर आजम का रिकॉर्ड भी टूटकर चूर

हरारे (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी का नाम एक बार फिर से क्रिकेट जगत की सुर्खियों में छा गया है। इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में इस युवा बल्लेबाज ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से कोहराम मचा दिया। वैभव ने महज 55 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर न केवल भारतीय पारी को मजबूत शुरुआत दी, बल्कि अपनी प्रतिभा का एक बार फिर से लोहा भी मनवाया। उनकी इस पारी से इंग्लैंड की टीम मैच के शुरुआती पलों से पूरी तरह से बैकफुट पर चली गई है। 50 ओवर में 9विकेट खोकर 411 रन बनाए थे।

बाबर आजम का रिकॉर्ड भी तोड़ा- इस ऐतिहासिक पारी के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने एक बड़ा कीर्तिमान अपने नाम किया। उन्होंने यूथ वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रनों के मामले में पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया है। बाबर आजम (1272 रन) के नाम यूथ वनडे में जो रिकॉर्ड दर्ज था, वैभव ने उसे तोड़कर अब इस सूची में अपना स्थान और ऊपर कर लिया है।

वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज- अंडर-19 वर्ल्ड कप में छक्कों के मामले में वैभव सूर्यवंशी ने नया कीर्तिमान रच दिया है। 2026 एडिशन में वैभव अब तक 20 छक्के जड़ चुके हैं और इसी के साथ वह टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड डेवाल्ड ब्रेविस के नाम था, जिन्होंने 2022 अंडर-19 वर्ल्ड कप में 18 छक्के लगाए थे।

फाइनल में वैभव सूर्यवंशी का तूफान, गेंदबाज दिख रहे थे पस्त

वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही जमकर चौके छक्के उड़ाए। इस खिलाड़ी ने मात्र 32 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। लेकिन इसके बाद भी वैभव थमे नहीं और उन्होंने लगातार इंग्लैंड के स्पिनर्स पर अटैक करते हुए अपना शतक भी पूरा कर लिया। 160 रन की पारी में कुल 13 छक्के और 14 चौके मार चुके थे। वैभव में 80 गेंदों पर 175 रन बनाए और कैच आउट हो गए थे। इससे पहले भी वैभव ने सेमीफाइनल मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ 68 रन की पारी खेली थी।

सूर्यवंशी का 32 बॉल पर अर्धशतक- 11वें ओवर में भारतीय टीम ने 10 रन बनाए। ओवर की चौथी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने शानदार छक्का जड़ा। उन्होंने अगली ही गेंद पर सिंगल लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। यह वैभव का इस वर्ल्ड कप में चौथा अर्धशतक रहा, जो उन्होंने महज 32 गेंदों में पूरा किया।

वैभव भारत के टॉप स्कोरर- इस अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के लिए वैभव सूर्यवंशी ने सबसे ज्यादा 6 मैचों में 264 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 82 रन रहा है। इस दौरान उन्होंने 3 हाफ सेंचुरी लगाई। गेंदबाजी में हेनिल पटेल ने कमाल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने 6 मैचों में 11 विकेट झटके हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 5 विकेट देकर 16 रन रहा है।

म्हात्रे 53 रन बनाकर आउट - आयुष म्हात्रे 53 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें एलेक्स ग्रीन ने बेन मेयस के हाथों कैच कराया। इसके साथ उनके और सूर्यवंशी के बीच 142 रन की साझेदारी भी टूट गई थी। भारतीय टीम रिकॉर्ड 10वीं बार फाइनल में पहुंची है। दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम तीसरी बार फाइनल खेलेगी, टीम ने 1998 में इकलौता टाइटल जीता था। इससे पहले 2022 के फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को ही हराकर पांचवीं बार ट्रॉफी जीती थी।

आयुष आउट, 142 रन की साझेदारी टूटी- आयुष म्हात्रे 53 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें एलेक्स ग्रीन की गेंद पर बेन मेयस ने कैच किया। इसके साथ ही आयुष और वैभव सूर्यवंशी के बीच दूसरे विकेट के लिए चली आ रही शानदार 142 रन की साझेदारी का भी अंत हो गया।

व्यापार

कंपनी का नेट प्रॉफिट में 90 प्रतिशत बढ़ा, शेयरों में 14 प्रतिशत की तेजी, 2-2 एक्सपर्ट्स बुलिश

नई दिल्ली, एजेंसी। हिताची एनर्जी इंडिया लिमिटेड ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी के नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस इजाफे की वजह से कंपनी के शेयरों की कीमतों में आज तगड़ी तेजी देखने को मिली है। जिसकी वजह से शेयरों का भाव 14 प्रतिशत चढ़ गया।

हिताची एनर्जी इंडिया लिमिटेड ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी के नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस इजाफे की वजह से कंपनी के शेयरों की कीमतों में आज तगड़ी तेजी देखने को मिली है। जिसकी वजह से शेयरों का भाव 14 प्रतिशत चढ़ गया। बीएसई में आज शुक्रवार को हिताजी एनर्जी इंडिया लिमिटेड का शेयर 20800.10 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 21900 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। एक्सपर्ट्स बुलिश रिपोर्ट के अनुसार कंपनी इस स्टॉक की कीमतों में उछाल की संभावना है। ब्रोकरेज हाउस ने 20 प्रतिशत की तेजी के साथ 20825 रुपये का टारगेट प्राइस सेट कर दिया है। नुवामा ने भी इस स्टॉक पर दांव लगाने की सलाह दी है। इस ब्रोकरेज हाउस ने 24500 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है।

शेयरों का प्रदर्शन लॉन्ग टर्म में कैसा - बीते दो हफ्ते में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 30 प्रतिशत की तेजी आई है। एक साल में यह स्टॉक 75 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 6 प्रतिशत की तेजी आई है।

कितना हुआ है नेट प्रॉफिट

कंपनी की तरफ से दी जानकारी के अनुसार अक्टूबर से दिसंबर 2025 के दौरान कुल नेट प्रॉफिट 261.40 करोड़ रुपये रहा है। हिताची एनर्जी इंडिया लिमिटेड का रेवन्यू मार्च तिमाही में 2168 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 29.60 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का दिसंबर तिमाही में 338.40 करोड़ रुपये रहा है।

अब 200 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाली कंपनियां भी कहलाएंगी स्टार्टअप, सरकार ने बदले नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने स्टार्टअप्स को पहचानने के नियमों में बड़े बदलाव किए हैं। अब कंपनियां 200 करोड़ रुपये तक का टर्नओवर होने पर भी स्टार्टअप मानी जाएंगी। पहले यह सीमा 100 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा, डीप टेक स्टार्टअप्स के लिए एक नई श्रेणी भी बनाई गई है। यह उन कंपनियों के लिए है जो बहुत नई और रिसर्च पर आधारित टेक्नोलॉजी पर काम करती हैं। यह कदम भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा देने के लिए उठाया गया है। आजकल स्टार्टअप्स को रिसर्च और डेवलपमेंट में ज्यादा समय लगता है। उन्हें ज्यादा पैसा भी चाहिए होता है और कमाई शुरू होने में भी देर लगती है। खासकर डीप टेक, मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च पर आधारित क्षेत्रों में ऐसा देखा जा रहा है। अब तक करीब दो लाख कंपनियों को स्टार्टअप के तौर पर मान्यता मिल चुकी है। मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स को स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत इनकम टैक्स में छूट जैसे कई फायदे मिलते हैं। की परिभाषा का दायरा बजट में हो सकता है ऐलान उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के एक नोटिफिकेशन के अनुसार, स्टार्टअप की पहचान के लिए टर्नओवर की सीमा 100 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 200 करोड़ रुपये कर दी गई है। साथ ही, डीप टेक स्टार्टअप्स के लिए नए नियम भी बनाए गए हैं। डीप टेक स्टार्टअप्स के लिए सरकार ने उनकी उम्र और टर्नओवर की सीमा को काफी बढ़ा दिया है।

सहकारी समितियों को भी स्टार्टअप का दर्जा

एक और बड़ा बदलाव यह है कि अब कुछ सहकारी समितियों को भी स्टार्टअप के तौर पर मान्यता दी जाएगी। इससे जमीनी स्तर पर इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा। इसके तहत ये सहकारी समितियां शामिल हैं-

मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज एक्ट, 2002 के तहत रजिस्टर हुई मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज।

राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के कोऑपरेटिव एक्ट्स के तहत रजिस्टर हुई कोऑपरेटिव सोसाइटीज।

इस कदम का मकसद खेती, उससे जुड़े दूसरे काम, ग्रामीण उद्योग और समुदाय-आधारित व्यवसायों में नए आइडिया को बढ़ावा देना है।

नियम क्यों बदले गए

सरकार का कहना है कि पिछले दस सालों में भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में बड़े बदलाव आए हैं। कई इनोवेशन पर आधारित कंपनियां अपनी उम्र या टर्नओवर की सीमा पार कर जाती हैं, भले ही वे अभी भी डेवलपमेंट या टेस्टिंग के दौर में हों। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि स्टार्टअप इकोसिस्टम में हो रहे बदलावों और बिजनेस लाइफसाइकिल के अलग-अलग पड़ावों पर स्टार्टअप्स को खास फायदे पहुंचाने की जरूरत को ध्यान में रखते हुए, स्टार्टअप के तौर पर पहचान के लिए टर्नओवर की सीमा 100 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 200 करोड़ रुपये कर दी गई है। यह फैसला स्टार्टअप इकोसिस्टम के कई लोगों और अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों से बातचीत के बाद लिया गया है।

व्यापार समझौता: अमेरिका में 800 डॉलर तक बिना शुल्क सुविधा खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में 800 डॉलर तक बिना शुल्क माल भेजने की सुविधा खत्म होने से छोटे निर्यातक मुश्किल में है। अब शुल्क लगने के साथ ही छोटे-छोटे पार्सल को कस्टम प्रक्रिया के तहत बाहर आने में काफी वक्त लगने लगा है। कारोबारी और निर्यातक चाहते हैं कि भारत सरकार इस मुद्दे पर भी अमेरिका से बात करे। असल में पहले 800 डॉलर मूल्य तक की अमेरिका भेजी जाने वाली खेपों पर कोई शुल्क नहीं लगता था। लेकिन जब पिछले साल टैरिफ वार शुरू हुआ तो चरणबद्ध तरीके से भारतीय सामान पर 50 फीसदी तक टैरिफ लगा दिया।

इसके साथ ही, गत वर्ष संयुक्त राज्य अमेरिका के टैरिफ एक्ट, 1930 की धारा 321 के तहत अमेरिका ने यह सुविधा खत्म कर दी है। इस सुविधा से छोटे निर्यातकों, कारीगरों और सीमा पार ई-कॉमर्स से जुड़े उद्यमों को काफी मदद मिलती थी। इस छूट के समाप्त होने से कई चुनौतियां बढ़ी हैं।

अमेरिकी बाजार और छोटे उद्यम- हस्तशिल्प और श्रम आधारित उत्पाद बनाने वाले छोटे उद्यम अब अधिक लागत के कारण अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहे हैं। पहले मिलने वाली यह सीमा ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय व्यापार को भी सुगम बनाती थी। अमेरिकी ग्राहकों तक सीधे भारतीय उत्पाद पहुंचाना था और अतिरिक्त शुल्क या जटिल दस्तावेजी प्रक्रिया की जरूरत नहीं होती थी। इससे कई भारतीय डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर ब्रांडों को वैश्विक पहचान मिली। शुल्क बढ़ने से ऑर्डरों में आई कमी का सीधा असर रोजगार और आय पर पड़ रहा है। अब निर्यातक चाहते हैं कि भारत सरकार अमेरिका से बातचीत कर 800 डॉलर मूल्य तक की बिना शुल्क भेजी जाने वाली खेपों पर मिलने वाली छूट बहाल कराए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)